भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत अखबार
R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758

जागरूक जनता

16 सितम्बर - 22 सितम्बर 2026
jagrukjanta.net

भाद्रपद, पक्ष - शुक्ल, तिथि - पंचमी, संवत 2083 पृष्ठ : 8+2 जयपुर बुधवार वर्ष-12, अंक-29, साप्ताहिक मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

बड़े नेताओं के ढहे गढ़

सटीक
शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

राजस्थान के 10 नगर निगमों की मतगणना के बीच सामने आए नतीजों ने शहरी राजनीति की तस्वीर बदल दी है। शुरुआती रुझानों में बढ़त बनाती दिख रही भाजपा को बाद के रुझानों में कांग्रेस ने कई जगह कड़ी चुनौती दी। अजमेर, पाली और बीकानेर में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आई है। वहीं भाजपा ने उदयपुर और भीलवाड़ा में बहुमत हासिल कर लिया है। अलवर, कोटा और जयपुर में भाजपा सबसे आगे रही। जबकि जोधपुर में खंडित जनादेश मिला है। भरतपुर में निर्दलीय प्रत्याशियों ने बढ़त बना रखी है। कुल मिलाकर देखा जाए तो अपने इस कार्यकाल का आधा सफर पूरा कर चुकी भाजपा के लिए निकाय चुनावों के नतीजे बड़ी राहत लेकर आए हैं। मतगणना के अब तक मिले रुझानों के अनुसार राजस्थान के अधिकांश शहरी निकायों में भाजपा ने बहुमत पाया है। इन नतीजों का सबसे बड़ा संकेत यह है कि इस बार कई शहरों में चुनाव सिर्फ भाजपा बनाम कांग्रेस तक सीमित नहीं रहा। स्थानीय चेहरे, बागी उम्मीदवार और निर्दलीयों ने कई वार्डों में चुनावी गणित बदल दिया। जिस तरह से दोनों ही प्रमुख पार्टियों के कद्दावर नेताओं के गृह जिलों में उनकी पार्टी का प्रदर्शन बहुत शर्मनाक रहा उसे आने वाले समय के लिए 'खतरे का अलार्म' माना जा सकता है। सीएम भजनलाल शर्मा के गृह जिले भरतपुर, पूर्व सीएम और पार्टी की कद्दावर नेता वसुंधरा राजे, पार्टी अध्यक्ष मदन राठौड़ के इलाकों में पार्टी को हार मिली है। कमोबेश ऐसा ही जोधपुर में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ हुआ जहां उनके अपने ही वार्ड में कांग्रेस प्रत्याशी को हार मिली। हालांकि प्रदेशस्तरीय प्रदर्शन की बात करें तो भाजपा ने अपनी लीड बनाए रखी है। पाली में खुद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का पसीना छूट गया, भरतपुर में खुद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का गृह क्षेत्र हाथ से खिसक गया, झालावाड़ में वसुंधरा राजे का तिलिस्म बेअसर रहा, बीकानेर में अर्जुनराम मेघवाल और अजमेर में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी अपनी ही चौखट नहीं बचा पाए। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी जोधपुर में साख बचाने को तरस गए। गनीमत रही कि कोटा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने अपनी साख बचा ली।

किशाऊ परियोजना के एमओयू पर हस्ताक्षरः पेयजल, सिंचाई और विकास के नए अवसर होंगे सृजित

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर शेखावाटी के विकास को नई गति

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में उत्तरी भारत की वर्षों से लंबित जल परियोजनाएं अब धरातल पर क्रियान्वित होने जा रही हैं। इस दिशा में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में किशाऊ बहुउद्देशीय परियोजना के लिए 6 राज्यों के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। किशाऊ परियोजना से प्राप्त जल शेखावाटी के जल की दृष्टि से अभावग्रस्त रहे क्षेत्रों की जल आवश्यकताओं की पूर्ति में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। केंद्रीय जल संसाधन मंत्री सी आर पाटिल की मौजदगी में हुए इस एमओयू पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित 6 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने हस्ताक्षर किये। किशाऊ बहुउद्देशीय बांध परियोजना यमुना की प्रमुख सहायक टौंस नदी पर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की सीमा पर प्रस्तावित है। करीब 15,000 करोड़ रुपये की इस परियोजना से 660 मेगावाट जलविद्युत उत्पादन होगा तथा इससे राजस्थान सहित उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा लाभान्वित होंगे। परियोजना के तहत हिमाचल प्रदेश के जल हिस्से का एक भाग राजस्थान और दिल्ली को आवंटित किया जाएगा। इसके बदले इन राज्यों द्वारा हिमाचल प्रदेश के विद्युत घटक की लागत में योगदान किया जाएगा। जल घटक की 90 प्रतिशत लागत केंद्र सरकार द्वारा सहायता के रूप में वहन की जाएगी और शेष 10 प्रतिशत भागीदार राज्यों द्वारा दिया जाएगा। किशाऊ बांध परियोजना को भारत सरकार द्वारा इसे राष्ट्रीय परियोजनाओं की सूची में शामिल किया गया है।

हाईकोर्ट के नए भवन की DPR को मंजूरी, 60 कोर्ट रूम का बनेगा प्रस्ताव

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट के भवन निर्माण में अनियमितता को लेकर लिए गए स्वतः प्रसंज्ञान पर मंगलवार को जोधपुर स्थित मुख्य पीठ में सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा कोर्ट में पेश हुए। मुख्य न्यायाधीश मनीष श्रीवास्तव और न्यायाधीश विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ के समक्ष डीजीपी ने इस मामले में पुलिस की अब तक की कार्रवाई की जानकारी पेश की. कोर्ट ने मामले की जांच एडीजी वीके सिंह के निर्देशन में करने को कहा है. इसके अलावा वर्तमान में चल रहे मरम्मत कार्य को मुख्य अभियंता की देखरेख में करने के निर्देश दिए हैं।

पिछली सुनवाई में कोर्ट प्रशासन ने सरकार को हाईकोर्ट के 50 कोर्ट रूम बनाने के लिए एक डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने के लिए डेढ़ करोड़ रुपए स्वीकृत करने का पत्र दिया था. मंगलवार को सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से DPR बनाने की स्वीकृति और डेढ़ करोड़ रुपए जारी करने की जानकारी कोर्ट को दी गई।

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे है ?
देसी दिल के लिये, दादी वाला देसी तेल...
Kabira Healthy Growth Yellow Mustard Oil
Natural Immunity Booster
Approved by : WHO GMP
one of the OLDEST OIL known to HUMAN
100% VEG. COLD PRESSED KOSHER
स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परखा।
- प्राचीन शीतल विधि घाणी से निर्मित।
- निर्माण विधि उच्च ताप रहित।
- निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
- केन्सर को रोकने में लाभदायक ।*
- मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक ।
- एसीडीटी एवं गेस्टिक रोगों में मददगार ।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने मे लाभदायक ।
- केवल देसी सरसों द्धारा निर्मित ।
- मोटापा घटाने में लाभदायक ।
- बालों के लिए एक उत्तम तेल ।
- ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर ।
- तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी ।
- अनेक औषधीय गुणों से भरपूर ।
- सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स ।*
- छः हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी ।
Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in :
Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell)
Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil
स्वस्थ जीवन के लिए कोनसा तेल उपयोग करें ?
तेल आप उपयोग करें: कबीरा पीली सरसों का तेल; कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल; कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल; कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल; कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल
तेल आप उपयोग ना करें: कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल; कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल; कबीरा ब्लेन्डेड एवं कनोला तेल; कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल; कबीरा रिफाईण्ड सूरजमुखी तेल; कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल
कबीरा पीली सरसों तेल को फेक्ट्री मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएं 590 रू. की चांदी की फ्रेम एवं केनवास बेग बिलकुल Free
ONLY FOR NEW MEMBER, LIMITED TIME OFFER
-: Awards & Achievements :-
To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact :
MANISHANKAR OILS PVT LTD +91 98290 50738 www.manishankaroils.in
ALSO DEALS IN KISAN, PEEURA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)
#GOVERNMENT OF INDIA'S NATIONAL AWARDED #GOVERNMENT OF RAJASTHAN'S UDYOG RATAN AWARDED
For Award Details : Contact 98290-50738
* In Reference to : Asian Journal of Dairy and Food Research (2019)

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट
» मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
» सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
» असाध्य घाव/शुगर के घाव
» कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
» अचानक बहरापन (Hearing Loss)
» डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.
नेशनल हायपरबैरिक रिसर्च सैन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर
Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur
E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

मिशन कर्मयोगी रैंकिंग में राजस्थान फिर प्रथम

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान के प्रशिक्षण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं महानिदेशक हरिश्चंद्र माथुर राज्य लोक प्रशासन संस्थान की महानिदेशक श्रेया गुहा ने बताया कि मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की क्षमता निर्माण एवं लर्निंग आउटकम पर आधारित नवीनतम रैंकिंग में राजस्थान ने 62.49 के कम्पोजिट स्कोर के साथ राज्य श्रेणी 'ष्ट' (जनसंख्या के लिहाज से सबसे बड़े राज्य) में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

MADHAV UNIVERSITY
(Established by the Rajasthan State Govt. Legislature Act No. 07 of 2014
ACCREDITED WITH 'A' GRADE BY NAAC
Entrance Test Exam Fee is 1500/-
ADMISSION OPEN 2026-27
Admission for UGC & State Govt. Norms.
APPROVAL BY STATE GOVT., UGC, AIU, NCH, RPMC, AYUSH, PCI, RCI, BCI,NCTE, NCVT)
HOMOEOPATHY: B.H.M.S.
YOGA & NATUROPATHY: BNYS, PGDYN, DNYS, CCYN
PARAMEDICAL: Bachelor of Medical Laboratory Technology (BMLT); Bachelor of Radiation Technology (BRT); Bachelor of Operation Theatre Technology (BOTT); Master of Medical Laboratory Technology (MMLT); Master of Radiation Technology (MRT); Master of Operation Theatre Technology (MOTT)
PHYSIOTHERAPY: BPT; MPT (Musculoskeletal Science, Sports Science, Neurology Science)
LIBRARY: D. LIBRARY, B. LIBRARY, M. LIBRARY
COMMERCE & MANAGEMENT: B.Com., M.Com., BBA, MBA
COMPUTER SC. & APPLICATIONS: DCA, BCA, PGDCA, MCA, B.Sc. (IT), M. Sc. (IT)
ENGINEERING AI/ML: B.Tech. AI/ML; B.Tech. AI/Data Science; BCA AI/ML; BCA AI/Data Science; BCA Cyber Security; MCA AI/ML; MCA AI/Data Science; B.Sc. IT AI/ML; B.Sc. IT AI/Data Science; M.Sc. IT AI/ML; M.Sc. IT AI/Data Science
ENGINEERING: Diploma (Civil, Mechanical, Electrical, ECE, CSE, Mining, Fire & Safety); B. TECH.; CSE with Specialization: (Artificial Intelligence & Machine Learning, Data Science); B.TECH (Civil, Mechanical, Electrical, ECE, CSE, Mining, Fire & Safety); M. TECH
I.T.I.: Diesel, Fitter, Electrician, Wireman
CLINICAL PSYCHOLOGY: B.Sc. Clinical Psychology; MA Clinical Psychology; PDCP Clinical Psychology; PGDRP
SCIENCE: B. Sc. (PCM & CBZ); M. Sc. (Physics, Chemistry, Mathematics, Zoology, Botany, Bio-Technology, Microbiology)
EDUCATION: B.Ed.; ITEP (B.A. B.Ed, B.Sc. B.Ed); MA EDUCATION
PHYSICAL EDUCATION: D.P.Ed, B.P.Ed., M.P.Ed., PGDSM
SPECIAL EDUCATION: B.Ed. (HI), B. Ed. (ID), D. Ed. (HI), D. Ed. (IDD), ISTEP (FS) HI
PHARMACY: D. Pharm, B. Pharm, M. Pharm
LAW: B.A. LL.B., LL.B., LL.M. (2 Year)
ARTS, HUMANITIES & SOCIAL SCIENCES: BA, MA, MSW, MA (Yoga)
Hospitality Mgmt. Hotel Mgmt. & Catering Technology: Bachelor in HMCT- BHM; MBA. Hotel Mgmt.; PG Diploma in Hotel Mgmt./Catering Tech.; UG. Diploma in Hotel Mgmt./Catering Tech.; Certificate in Hotel Mgmt./Catering Tech.
Hospital Management: MBA.in Hospital Management; Executive MBA in Hospital Mgmt.; PG. Diploma in Hospital Mgmt
AGRICULTURE *Scholarships As per the state Govt. Rules: Diploma (1 Yr & 3 Yrs Courses); B.Sc. Hons.(Ag.); B.Sc. Hons.(Ag.) L.E.; B.Sc. Hons. Agribusiness Management; B.Sc. Hons. Natural Farming; B.Sc. Hons. Organic Farming; B.Tech Agricultural Engineering; M.Sc. (Agri.) Agronomy, Genetics and Plant Breeding, Soil Science, Plant Pathology, Entomology, Agricultural Extension Education; M.Sc. (Horti.) Fruit Science, Floriculture & Landscaping, Vegetable Science
PH.D ALL ABOVE COURSES
UNIVERSITY CONTACTS 8875028991, 92, 93, 94
WEBSITE: www.madhavuniversity.edu.in
EMAIL: admission@madhavuniversity.edu.in
N.H.27, P.O. Bharja, Abu Road, Distt. - Sirohi (Raj.) -307032

Solminica
FIND BETTER. INVEST SMARTER.
INVEST SMART. CHOOSE THE RIGHT PROPERTY.
CURATED PROPERTY OPPORTUNITIES FOR BUYERS & INVESTORS
FARMHOUSES | VILLAS | APARTMENTS | SHOPS | COMMERCIAL | AGRICULTURAL LAND
Looking for the right property to invest, build, live or grow your wealth?
We represent carefully selected property opportunities and assist you from property selection to site visit and purchase.
THE RIGHT PROPERTY. THE RIGHT LOCATION. THE RIGHT DECISION.
Your Trust. OUR COMMITMENT.
YOUR NEXT INVESTMENT STARTS HERE
CALL / WHATSAPP 94602 03926
SMART INVESTMENTS. BETTER FUTURE. STRONGER RETURNS.
VERIFIED PROPERTIES | EXPERT GUIDANCE | TRANSPARENT PROCESS | ON-TIME SUPPORT

भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर कार्यकर्ताओं के साथ प्रदेश की जनता का बहुत बहुत आभार-मदन राठौड़

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने निकाय चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर कार्यकर्ताओं के साथ प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त किया। राजस्थान की जनता ने भाजपा को बहुत बड़ा आशीर्वाद और समर्थन दिया है। जनता के इस विश्वास के लिए पार्टी सदैव आभारी रहेगी। राठौड़ ने कहा कि पिछले चुनाव की तुलना में इस बार भाजपा ने लगभग ढाई से तीन गुना बेहतर प्रदर्शन किया है। चाहे नगर निगम हों, नगर परिषद हों या नगर पालिकाएं, सभी नगरीय निकायों में भाजपा को जनता का व्यापक समर्थन और आशीर्वाद मिला है। यह परिणाम स्पष्ट संकेत है कि राजस्थान की जनता भाजपा की नीतियों, विकास कार्यों और नेतृत्व पर विश्वास जता रही है। इतना ही नहीं, प्रदेश की जनता ने जयपुर, कोटा और जोधपुर के दो निकाय करने वाली कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति को भी सिरे से नकार दिया। राजधानी जयपुर और कोटा में भाजपा को बहुमत मिला है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि पिछली बार जहां भाजपा के पास सीमित संख्या में निकाय थे, वहीं इस बार भाजपा ने अपने प्रदर्शन में उल्लेखनीय विस्तार किया है। गत वर्ष 2019–21 में जहां 5 महापौर भाजपा के पास थे, वहीं इस बार 90 प्रतिशत भाजपा को सफलता मिली है। इसी तरह नगर परिषद में पिछली बार 29.41 प्रतिशत सफल हुए थे ,जो इस बार 65.95 प्रतिशत हो गया। वहीं नगर पालिका में पिछली बार 32.23 प्रतिशत सीटें थी, जो इस बार 67.06 प्रतिशत हो गई। भाजपा को प्रदेश की जनता का पूर्ण आशीर्वाद मिला है। ऐसे में मैं प्रदेश की जनता का हृदय सेआभार व्यक्त करता हूं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि निकाय चुनाव परिणाम ने भाजपा के विकास पर मोहर लगाने का काम किया है। प्रदेश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जनहितैषी योजनाओं पर मोहर लगाने का काम किया है। अब पंचायत चुनाव में भी प्रदेश की जनता इसी तरह भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास व्यक्त करते हुए आशीर्वाद प्रदान करेगी। भाजपा प्रदेश के विकास के लिए पूर्ण रूप से कृत संकल्पित है। राठौड़ ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि जो हमारी आलोचना करते थे वो हमसे दो तिहाई पीछे है। प्रेसवार्ता में भाजपा चुनाव प्रभारी हरीश द्विवेदी, सह प्रभारी रोहन गुप्ता, भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक और मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ उपस्थित रहे।

बगरू विधानसभा क्षेत्र

वार्ड	विजेता दल	विजेता	कुल मत	उपविजेता	कुल मत	अंतर
वार्ड-59	कांग्रेस	दुर्गादेवी	5578	बबली वर्मा बीजेपी	4838	740
वार्ड-60	कांग्रेस	रामफूल मीणा	8572	गिर्राज मीणा कांग्रेस	4900	3672
वार्ड-61	कांग्रेस	सुरेश मीणा	3524	रामलाल मीणा भाजपा	3085	439
वार्ड-62	भाजपा	रामावतार शर्मा	5791	हजारी कांग्रेस	4711	1080
वार्ड-63	कांग्रेस	प्रभुलाल बैरवा	3976	अजय टेपण भाजपा	2725	1251
वार्ड-64	भाजपा	सुरेश मीणा	5139	कैलाश मीणा कांग्रेस	2857	2282
वार्ड-65	कांग्रेस	मुकेश कुमार	4314	मुकेश कुमार राणा भाजपा	2823	1491
वार्ड-66	भाजपा	नारायण लाल	2620	महेश कराड़िया कांग्रेस	2477	143
वार्ड-67	भाजपा	अरुण शर्मा	4532	योगिता शर्मा कांग्रेस	3616	916
वार्ड-68	भाजपा	मौसमी मीणा	5664	अमित सैनी कांग्रेस	5001	6630
वार्ड-69	कांग्रेस	बीना देवी	6639	पूनम चोयल भाजपा	4010	2629
वार्ड-70	भाजपा	सुशीला	4771	उर्मिला कौर कांग्रेस	4421	350
वार्ड-71	कांग्रेस	फैज हसन	5426	मो. सलीम निर्दलीय	5256	170
वार्ड-72	कांग्रेस	सुमन मरेठा	4343	रचना कलोसिया	1979	2364

लंपी रोग के प्रभावी नियंत्रण और रोकथाम के लिए प्रमुख शासन सचिव ने ली समीक्षा बैठक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में गोवंश को लंपी स्किन डिजीज से सुरक्षित रखने तथा इसकी प्रभावी रोकथाम और नियंत्रण के लिए पशुपालन विभाग के प्रमुख शासन सचिव विकास सीतारामजी भाले की अध्यक्षता में पशुधन भवन स्थित सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश में लंपी रोग की वर्तमान स्थिति, टीकाकरण, उपचार व्यवस्था तथा घर-घर जाकर चलाए जा रहे सर्वेक्षण अभियानों की विस्तृत समीक्षा की गई। भाले ने कहा कि मुख्यमंत्री इस समस्या के प्रति बहुत गंभीर हैं। उनके निर्देशानुसार लंपी रोग की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए विभाग भी पूरी गंभीरता से कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के पशुपालन आयुक्त डॉ नवीन बी के साथ हुई चर्चा के दौरान डॉ नवीन ने भी राजस्थान में लंपी रोग के नियंत्रण और रोकथाम के लिए किए जा रहे सरकार के प्रयासों की सराहना की है। बैठक में अधिकारियों को संबोधित करते हुए भाले ने कहा कि जिला स्तर पर प्रतिदिन स्थिति की समीक्षा कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई एवं उच्च स्तर पर रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाए और सभी संबंधित विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करते हुए लंपी रोग के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी एवं समयबद्ध कार्ययोजना लागू करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं हो तथा पशुपालकों को समय पर चिकित्सा एवं आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाए। बैठक में विभाग द्वारा की जा रही कार्यवाही के विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा करते हुए प्रमुख शासन सचिव ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अप्रभावित जिलों पर विशेष फोकसः प्रमुख शासन सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन जिलों में अभी तक लंपी के मामले सामने नहीं आए हैं, वहां विशेष सतर्कता बरती जाए ताकि संक्रमण का प्रसार न हो।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित

अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम से अधिक विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जाए-श्रीनिवास

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शासन सचिवालय में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग की विभिन्न योजनाओं, बजट घोषणाओं एवं विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश के युवाओं को उच्च शिक्षा के साथ-साथ उनके विषय से संबंधित उद्योगों में व्यावहारिक अनुभव देने के लिए अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम को प्रभावी रूप से लागू करते हुए अधिक विद्यार्थियों को जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि शिक्षा के संग उद्योगों का व्यावहारिक एक्सपोजर युवाओं की रोजगार व उद्यमिता क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बैठक में बताया गया कि अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम के तहत विद्यार्थियों को अप्रेंटिसशिप अवधि के दौरान 12 हजार 300 रुपये का स्टाइपेंड दिया जाता है। इससे विद्यार्थियों को अध्ययन के साथ-साथ संबंधित उद्योग में कार्य करने का व्यावहारिक अनुभव भी प्राप्त होता है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में पन्नाधाय बाल गोपाल योजना की समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में पन्नाधाय बाल गोपाल योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं विद्यालयों में दूध पाउडर के वितरण की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित हुई। मुख्य सचिव ने योजना के तहत विद्यालयों में दूध वितरण की प्रगति की जिलेवार समीक्षा की तथा आपूर्ति व्यवस्था के विभिन्न बिंदुओं पर अधिकारियों से जानकारी ली। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि विद्यालयों तक दूध पाउडर के डिस्पैच एवं डिलीवरी के बीच किसी प्रकार का अनावश्यक अंतराल नहीं रहे। उन्होंने कहा कि दूध पाउडर का विद्यालयों तक समयबद्ध एवं नियमित रूप से वितरण सुनिश्चित किया जाए ताकि योजना का लाभ विद्यार्थियों को निर्बाध रूप से मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को आपूर्ति श्रृंखला की निरंतर निगरानी करने तथा डिस्पैच के बाद विद्यालयों तक डिलीवरी में होने वाली देरी को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए।

राजस्थान में बसपा के 19 पार्षद जीते; मायावती बोलीं-नतीजा और बेहतर होता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में हुए निकाय चुनाव के नतीजों को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने पार्टी के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव में बसपा ने इस बार 19 सीटों पर अपने पार्षद जिताकर भेजे हैं। मायावती ने पार्टी के छोटे-बड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को इस प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि कई बसपा उम्मीदवार सरकारी मशीनरी की कथित गड़बड़ी के कारण दोबारा मतगणना के दौरान कम अंतर से हरा दिए गए, वरना पार्टी का परिणाम और बेहतर हो सकता था। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने बयान में राजस्थान के निकाय चुनाव में बसपा के प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि पार्टी ने 19 सीटों पर अपने पार्षद जिताए हैं। उनके मुताबिक, यह परिणाम पार्टी के कार्यकर्ताओं की मेहनत और जमीनी स्तर पर संगठन की सक्रियता को दर्शाता है। बसपा नेतृत्व की ओर से चुनाव परिणाम को संगठन के लिए उत्साह बढ़ाने वाला बताया गया है।

रिद्धि-सिद्धि गणेश मंदिर में 1108 मोदकों का भोग, झांकी रही आकर्षण का केंद्र

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। खिरनी फाटक स्थित रिद्धि-सिद्धि गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना एवं धार्मिक आयोजन किया गया। प्रातःकाल भगवान गणेश जी का पंचामृत अभिषेक विधिवत रूप से किया गया। इस अवसर पर पन्नी एवं गोटों से भगवान गणेश जी की आकर्षक विशेष झांकी सजाई गई।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर भगवान गणेश जी को 1108 मोदकों का भोग अर्पित किया गया। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान गणपति से सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की। इस अवसर पर हाथोज धाम पीठाधीश्वर स्वामी श्री बालमुकुन्दाचार्य महाराज ने भगवान गणेश जी की पूजा-अर्चना कर सभी प्रदेशवासियों एवं देशवासियों के सुख, शांति, समृद्धि और मंगल की कामना की। उन्होंने गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान गणेश सभी के जीवन से विघ्नों को दूर कर सुख-समृद्धि प्रदान करें।

मॉडल स्कूल एवं आवासीय विद्यालयों की प्रगति की एसीएस ने की समीक्षा

विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता-एसीएस

रिक्त पदों को भरने, नामांकन बढ़ाने एवं निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। स्कूल शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश यादव ने शासन सचिवालय में स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल योजना सहित विभिन्न आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को अध्यापकों एवं विद्यार्थियो की उपस्थिति, विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्यार्थियों के नामांकन,मानव संसाधन, आधारभूत सुविधाओं तथा निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव यादव ने प्रदेश के मॉडल स्कूलों में रिक्त पदों की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मॉडल स्कूलों के परीक्षा परिणामों में और सुधार के लिए विषयवार विश्लेषण एवं आवश्यक शैक्षणिक गतिविधियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने निर्माणाधीन भवनों में भूमि, बिजली, पानी एवं अन्य लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करते हुए कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए भवन निर्माण के साथ आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए। एसीएस ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी), नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय, स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल छात्रावास, पीएम-जनमन एवं डीएजेजीयूए के अंतर्गत संचालित एवं निर्माणाधीन छात्रावासों की प्रगति की भी समीक्षा की। केजीबीवी में कुल 51 हजार 950 विद्यार्थियों की क्षमता के विरुद्ध 46 हजार 668 बालिकाएं नामांकित हैं। वहीं नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालयों सहित अन्य आवासीय संस्थानों में भी नामांकन की स्थिति की समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रयास करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना के तहत स्वीकृत किए गए आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों की प्रगति पर भी चर्चा हुई। नए आवासीय विद्यालयों/छात्रावासों के लिए कार्य स्वीकृत है, जिनमें से प्रवेश प्रक्रिया शुरू होकर विद्यार्थी रह रहे हैं। छात्रावासों में वॉशिंग मशीन एवं स्वचालित रोटी मेकर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा केजीबीवी में थ्री-फेज विद्युत कनेक्शन से संबंधित कार्यों की भी समीक्षा की गई।

आधुनिक सुविधाएं

मॉडल स्कूलों में स्मार्ट एवं वर्चुअल कक्षाएं, 20 कम्प्यूटर वाले कम्प्यूटर लैब, सीसीटीवी कैमरे, छात्राओं के लिए सेनेटरी नैपकिन, डिस्पेंसरी एवं इन्सीनेरेटर सहित विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके साथ ही स्वास्थ्य परीक्षण, मासिक अभिभावक-शिक्षक बैठक, स्काउट-गाइड, कला एवं शिल्प, विज्ञान मेले, गणित ओलंपियाड, योग ओलंपियाड, स्कूल बैंड एवं अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं। प्रदेश के 27 शैक्षणिक दृष्टि से पिछड़े जिलों के 134 ब्लॉकों में 134 स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल संचालित हैं। इन विद्यालयों में कुल 57,565 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनमें 28,957 बालक एवं 28,608 बालिकाएं हैं। विद्यालयों में बालिकाओं के लिए 55 प्रतिशत तथा बालकों के लिए 45 प्रतिशत सीटों का प्रावधान है। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत कुल 514 छात्रावास/आवासीय इकाइयां स्वीकृत हैं, जिनमें 422 संचालित हैं तथा 92 निर्माणाधीन अथवा लंबित हैं।

पोस्टर लॉन्च के साथ ही तेज हुई ताज के लिए दौड़

50 विनर्स और न्यू कमर्स की मौजूदगी में एलीट मिस राजस्थान का हुआ आगाज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। ग्लैमर, फैशन और मॉडलिंग की दुनिया में राजस्थान की प्रतिभाओं को मंच देने वाले अनूठे ईवेंट एलीट मिस राजस्थान सीजन-13 का सोमवार को आगाज हुआ। इसके लिए जीटी सेंट्रल स्थित किंग्समैन क्लब में आयोजित समारोह में एलीट मिस राजस्थान के पिछले सीजन्स की विजेताओं व पूर्व प्रतिभागियों ने सीजन-13 का पोस्टर लॉन्च किया। पोस्टर लॉन्च के साथ ही नए सीजन की शुरुआत हुई।

सीनियर्स ने बढ़ाया न्यू कमर्स का उत्साह

समारोह में एलीट मिस राजस्थान के करीब 50 पूर्व प्रतिभागियों और मॉडल्स ने शिरकत की। वहीं फैशन व ग्लैमर इंडस्ट्री से जुड़े लोगों तथा मॉडल्स की मौजूदगी ने कार्यक्रम को खास बनाया। एलीट एल्युमिनाईओं ने अनुभव साझा किए और नए सीजन में शामिल होने वाली प्रतिभाओं का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में जेडी माहेश्वरी मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने एलीट मिस राजस्थान के नए सीजन के लिए आयोजकों और प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं। इस दौरान फैशन, मॉडलिंग और ग्लैमर से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई।

शहरों और कॉलेजों में होंगे ऑडिशन

एलीट मिस राजस्थान के फाउंडर-डायरेक्टर गौरव गौड़ ने बताया कि सीजन-13 के ऑडिशन इस बार प्रदेश के प्रमुख शहरों में आयोजित किए जाएंगे। साथ ही जयपुर के गर्ल्स कॉलेजों में विशेष ऑडिशन आयोजित करने की योजना है। इससे प्रदेश की अधिक से अधिक प्रतिभाशाली युवतियों को एलीट मिस राजस्थान के मंच से जुड़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि एलीट मिस राजस्थान पिछले कई वर्षों से राजस्थान की युवतियों को फैशन और मॉडलिंग के क्षेत्र में जबूत प्लेटफॉर्म उपलब्ध करा रहा है। सीजन-13 को और बड़े स्तर पर आयोजित किया जाएगा और राजस्थान के अलग-अलग शहरों से प्रतिभाओं को तलाशकर उन्हें प्रदेश के फैशन मंच पर लाया जाएगा।

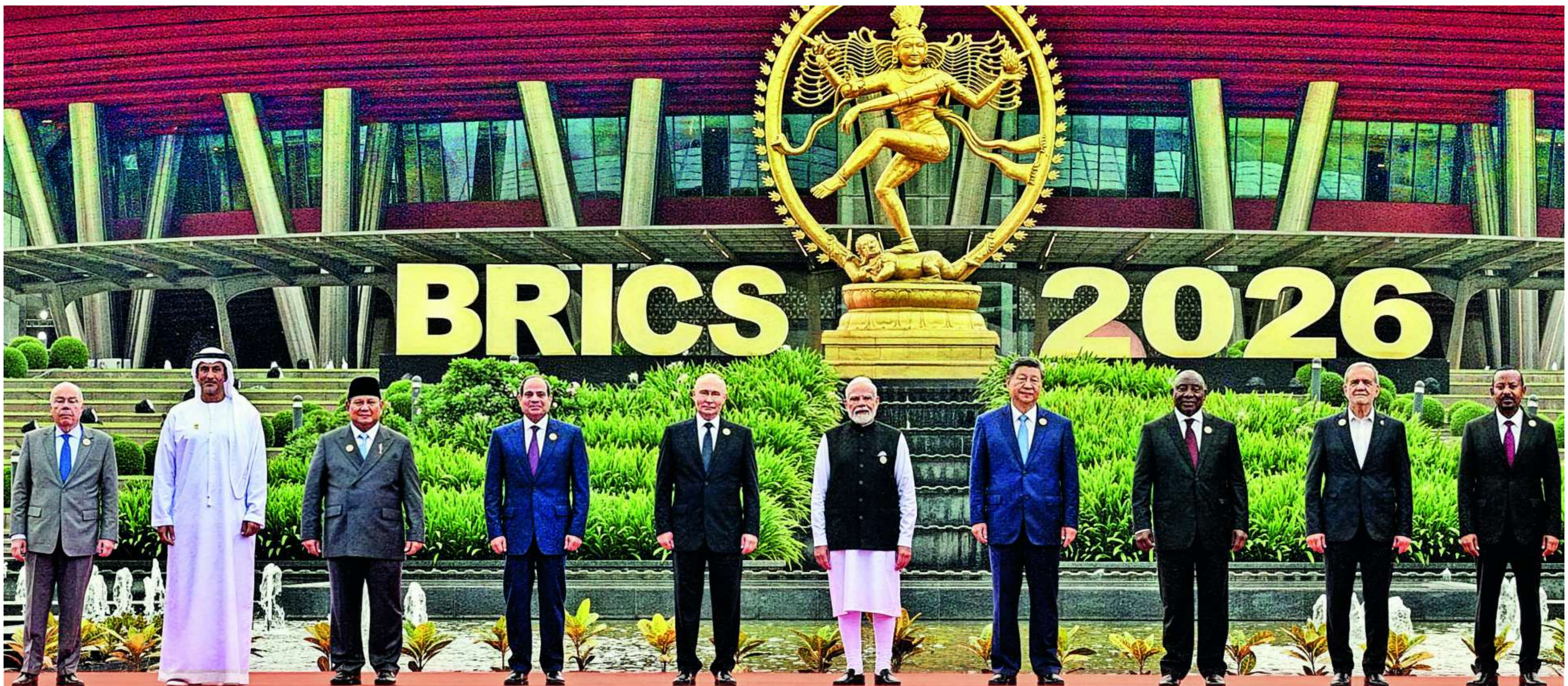

> ब्रिक्स किसी के खिलाफ नहीं। ब्रिक्स को मजबूत करने के साथ-साथ हमें वैश्विक सुधार का भी मार्ग प्रशस्त करना होगा। मैं प्रस्ताव रखता हूं कि हम सभी मिलकर वैश्विक शासन सुधार के लिए 10 प्रस्ताव तैयार करें। -नरेन्द्र मोदी

ब्रिक्स के साझा बयान में कहा गया- पश्चिमी एशिया संघर्ष बातचीत से खत्म हो

महाजुटान युद्ध के विरुद्ध

> पश्चिमी एशिया में युद्ध से क्षेत्र के सभी देशों के लोगों को नुकसान हुआ है। यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साझा हितों के खिलाफ है। संबंधित पक्षों को स्थायी युद्धविराम की दिशा में बढ़ना चाहिए। -शी चिनफिंग, चीन के राष्ट्रपति

BRICS देशों के साझा बयान जारी करने पर ऐसे समय में सहमति बनी, जब पश्चिम एशिया में तनाव है। ईरान, सऊदी अरब और UAE के कई मुद्दों पर अलग-अलग रुख हैं। टेरर, ट्रेड, गाजा और वैश्विक तनाव जैसे मुद्दों पर बनी सहमति ने दिखाया कि मतभेदों के बीच भी भारत संवाद का रास्ता निकाल सकता है, ब्रिक्स को एकजुट रख सकता है।

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली: ब्रिक्स समिट 2026 में भारत को बड़ी कूटनीतिक कामयाबी मिली है। ईरान और UAE के बीच तनाव के बावजूद भारत सभी सदस्य देशों को साझा घोषणा पर सहमत कराने में सफल रहा। ईरान पर हमलों के लिए अमेरिका का सीधे तौर पर नाम लिए बिना BRICS देशों ने साझा बयान में कहा, हम पश्चिम एशिया में बढ़ रहे तनाव को लेकर गहरी चिंता जताते हैं। हम सभी पक्षों से अधिक संयम बरतने और ऐसे किसी भी कदम से बचने की अपील करते हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है। हम बातचीत और कूटनीति के जरिए प्रयास बढ़ाने का समर्थन करते हैं ताकि ऐसा दीर्घकालिक समाधान निकाला जा सके, जो क्षेत्र में स्थायी शांति, सुरक्षा और स्थिरता कायम करने में मदद करे। दिल्ली से जारी इस साझा बयान में वैश्विक व्यापार, सप्लाई चेन और ऊर्जा की सुचारु आवाजाही बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। गाजा में मानवीय सहायता को इस्राइल की कानूनी जिम्मेदारी माना गया है, लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध का जिक्र नहीं हुआ।

▸▸ब्रिक्स की कवरेज पेज 4 और 12 पर

PTI

दोस्ती का गठजोड़ पीएम मोदी, शी चिनफिंग और व्लादिमीर पूतिन।

ब्रिक्स अब परिपक्व हो चुका हैः पीएम मोदी

समिट में पीएम मोदी ने कहा, ब्रिक्स परिपक्व दौर में पहुंच चुका है, अब अगले 20 वर्षों के लिए नए अजेंडे पर काम करना होगा। समय आ गया है कि ब्रिक्स की एकजुटता और सहमति को वैश्विक स्तर पर ठोस परिणामों में बदला जाए।

शांति के लिए काम करने को तैयारः शी

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने समिट में ब्रिक्स को इतिहास के सही पक्ष के साथ मजबूती से खड़ा होना चाहिए। पश्चिमी एशिया के संघर्ष पर कहा, चीन ब्रिक्स सदस्यों के साथ मिलकर शांति और स्थिरता कायम करने में भूमिका निभाने को तैयार है।

दिल्ली से साझा घोषणापत्र

1. **आतंक पर कार्रवाई:** आतंकवादी गतिविधियों में शामिल सभी लोगों और उन्हें समर्थन देने वालों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए।
2. **ब्रिक्स के मूल सिद्धांत:** आपसी सम्मान, संप्रभु समानता, एकजुटता और सहमति से फैसलों पर जोर।
3. **एकतरफा टैरिफ पर चिंता:** एकतरफा टैरिफ और व्यापारिक पाबंदियों पर चिंता जताई गई। कहा कि ऐसे कदम WTO के नियमों के अनुरूप होने चाहिए।
4. **परमाणु खतरा:** परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के खतरे और बढ़ते वैश्विक तनाव पर चिंता जताई गई।
5. **गाजा में मानवीय सहायता:** हम कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्रों, खासकर गाजा की मानवीय स्थिति को लेकर गंभीर चिंता दोहराते हैं। गाजा में मानवीय सहायता को इस्राइल की कानूनी जिम्मेदारी माना गया।

'मतभेद विवाद न बनें'

पीएम मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात हुई और दोनों ने इस पर जोर दिया कि भारत-चीन संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक नजरिए से देखा जाना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि मतभेदों को विवाद नही बनना चाहिए।

> संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ज्यादा देशों को प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। दिल्ली में भी यह बात कही जाती रही है। - व्लादिमीर पूतिन, रूस के राष्ट्रपति

> BRICS के सदस्यों की जिम्मेदारी है कि वे नागरिक बुनियादी ढांचों और शांतिपूर्ण परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमलों के खिलाफ खड़े हों। - मसूद पेज़ेशकियान, ईरान के राष्ट्रपति

साझा बयान पर कैसे हुए सभी राज़ी?

ब्रिक्स समिट में साझा बयान के लिए बातचीत तड़के 4 बजे तक चली। सूत्रों ने बताया, कई अहम और विवादित मुद्दों पर देशों के बीच मतभेद थे। भारत ने सलाह-मशविरा कर मतभेदों को दूर करने और सदस्य देशों के बीच सहमति बनाने की कोशिश की। यह सहमति इसलिए भी खास है, पश्चिमी एशिया संघर्ष में घिरे ईरान, सऊदी अरब और यूएई ब्रिक्स के सदस्य देश है। कई क्षेत्रीय और भू-राजनीतिक मुद्दों पर इन देशों के बीच गहरे मतभेद और अलग-अलग रुख है। भारत ने इन मतभेदों को ब्रिक्स की प्रक्रिया पर हावी नहीं होने दिया। अलग रुख होने के बावजूद साझा बयान का रास्ता साफ हुआ।

उधर हमले, इधर हाथ मिले... ईरान-यूएई के बीच मिसाइल हमलों ने दूरियां बढ़ा दी थी। संघर्ष के दौरान ये भारत की कामयाबी है कि अबू धाबी के प्रिंस संग ईरानी राष्ट्रपति एक मंच पर आए, द्विपक्षीय बात हुई।

मुख्यमंत्री ने मोती डूंगरी मंदिर में किए दर्शन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर जयपुर स्थित मोती डूंगरी मंदिर में भगवान श्री गणेश के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने मंदिर में सपत्नीक विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी के पर्व की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कामना की है कि विघ्नहर्ता-मंगलकर्ता भगवान श्री गणेश जी की कृपा से सभी प्रदेशवासियों के जीवन में खुशहाली और सुख समृद्धि आए।

नगर निगम जयपुर के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद का निर्वाचन आगामी आदेश तक स्थगित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के संबंध में जारी आदेश के अनुसार नगर निगम जयपुर के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के निर्वाचन को आगामी आदेश तक स्थगित किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने बताया कि नगर निगम जयपुर के कुछ बूथों के परिणाम ईवीएम में तकनीकी खराबी होने के कारण जारी नहीं हो पाए हैं। उक्त नगरीय निकायों के परिणाम घोषित नहीं होने की स्थिति में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पदों के निर्वाचन की निर्धारित तिथियों पर निर्वाचन कराया जाना संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि आयोग के 19 अगस्त, 2026 को जारी प्रेस नोट के अनुसार अध्यक्ष पद के निर्वाचन के लिए 15 सितम्बर, 2026 तथा उपाध्यक्ष पद के निर्वाचन के लिए 22 सितम्बर, 2026 की तिथि निर्धारित की गई थी। अब आयोग के निर्देशानुसार नगर निगम जयपुर के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पदों के निर्वाचन को आगामी आदेश तक स्थगित किया गया है।

एसीएस उद्योग ने 181 किया कॉल सेंटर का निरीक्षण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग श्री शिखर अग्रवाल ने शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क 181 कॉल सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभाग से संबंधित विभिन्न जिलों से प्राप्त परिवेदनाओं की स्थिति की जानकारी ली तथा परिवादियों से वीडियो एवं ऑडियो कॉल के माध्यम से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करते हुए परिवादियों को समयबद्ध राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। अग्रवाल ने हनुमानगढ़ के अंकित तथा जयपुर के दिनेश कुमार से वीडियो कॉल के माध्यम से संवाद कर पोर्टल पर दर्ज उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसी प्रकार बाड़मेर के परिवादी आनंद सिंह तथा पाली के आनंद ने ऑडियो कॉल पर बताया कि उनके रिको क्षेत्र में खराब रोड़ लाइट की शिकायत राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज कराई गई थी, जिसका विभाग द्वारा समाधान कर दिया गया है। उन्होंने अपनी इन समस्याओं के समाधान पर संतोष व्यक्त किया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने उद्योग विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत स्वरोजगार के लिए ऋण लेने वाले व्यक्तियों की परिवेदनाओं को भी सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन प्रकरणों का प्राथमिकता से परीक्षण कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि पात्र परिवादियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। उन्होंने कहा कि राजस्थान संपर्क पोर्टल सरकार और आमजन के बीच संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है। पोर्टल पर प्राप्त प्रत्येक परिवेदना का संवेदनशीलता एवं गंभीरता से निस्तारण करते हुए आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

एकल से एकांकी परिवार की ओर

भारतीय समाज में बढ़ता अकेलापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

यतेन्द्र पाण्डेय
पत्रकार
@jagrukjanta.net

कभी भारतीय परिवार केवल रहने की व्यवस्था नहीं, बल्कि रिश्तों, जिम्मेदारियों और भावनात्मक सुरक्षा का संसार हुआ करता था। दादा-दादी की कहानियां, माता-पिता का स्नेह, भाई-बहनों की शरारतें और पड़ोस तक फैला अपनापन–ये सब मिलकर परिवार को घर से आगे एक सामाजिक संस्था बनाते थे। समय बदला, संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ली। यह बदलाव आर्थिक और सामाजिक आवश्यकताओं से जुड़ा था। लेकिन अब एक नया परिवर्तन दिखाई दे रहा है–एकल परिवार धीरे-धीरे 'एकांकी परिवार' में बदलता जा रहा है।

आज एक ही घर में रहने वाले लोग अलग-अलग कमरों, अलग-अलग स्क्रीन और अलग-अलग दुनिया में जी रहे हैं। बातचीत कम हुई है, डिजिटल संपर्क बढ़ा है और रिश्तों की संख्या भले ही सोशल मीडिया पर बढ़ गई हो, लेकिन मन की बात सुनने वाले लोगों की संख्या घटती जा रही है।

परिवार छोटा, अकेलापन बड़ा

एकल परिवार का अर्थ था–माता-पिता और उनके बच्चे। इसमें भी साथ रहने, भोजन करने और निर्णय साझा करने की परंपरा बनी रही। 'एकांकी परिवार' उस स्थिति का संकेत है जिसमें व्यक्ति परिवार के बीच रहते हुए भी भावनात्मक रूप से अकेला हो जाता है। पति-पत्नी दोनों नौकरी में व्यस्त हैं। बच्चे स्कूल, कोचिंग और डिजिटल दुनिया में हैं। बुजुर्ग अपने कमरे में सीमित हैं। घर में सुविधाएं बढ़ी हैं, लेकिन संवाद के लिए समय घटा है। भोजन की मेज पर बातचीत की जगह मोबाइल स्क्रीन ने ले ली है। यह विरोधाभास आधुनिक भारतीय जीवन की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक है–हम संपर्क में अधिक हैं, लेकिन संबंधों में कम।

अकेलापन केवल बुजुर्गों की समस्या नहीं

अकेलेपन को लंबे समय तक बुजुर्गों की समस्या माना जाता रहा। लेकिन अब इसका दायरा तेजी से बढ़ रहा है। महानगरों में रहने वाले युवा, नौकरी के लिए दूसरे शहरों में गए लोग, अविवाहित युवक-युवतियां, प्रवासी परिवार और यहां तक कि किशोर भी भावनात्मक अकेलेपन का अनुभव कर रहे हैं। कई युवा सोशल मीडिया पर सैकड़ों-हजारों लोगों से जुड़े हैं, लेकिन संकट के समय फोन करने के लिए उनके पास कोई निकट व्यक्ति नहीं होता। यह डिजिटल युग का नया सामाजिक विरोधाभास है।

बुजुर्गों का खाली होता घर

संयुक्त परिवार टूटने का सबसे गहरा प्रभाव बुजुर्गों पर पड़ा है। जिन माता-पिता ने बच्चों को पढ़ाया, रोजगार दिलाया और अपना जीवन उनके भविष्य के लिए समर्पित किया, वही बच्चे रोजगार और बेहतर अवसरों की तलाश में दूर चले जाते हैं। दूरी हमेशा समस्या नहीं होती। समस्या तब पैदा होती है जब दूरी के साथ संवाद भी समाप्त हो जाए। बुजुर्गों को आर्थिक सहायता से अधिक आवश्यकता होती है–समय, सम्मान और अपनत्व की। सप्ताह में एक फोन, नियमित मुलाकात और उनके अनुभवों को सुन लेना कई बार किसी महंगे उपहार से अधिक मूल्यवान होता है।

बच्चों का बचपन भी अकेला

अकेलेपन का एक दूसरा चेहरा बच्चों में दिखाई देता है। पहले बच्चे परिवार के कई सदस्यों के साथ बड़े होते थे। आज माता-पिता के पास समय कम है और बच्चों के पास स्क्रीन अधिक। मोबाइल, ऑनलाइन गेम और सोशल मीडिया मनोरंजन तो देते हैं, लेकिन परिवार का भावनात्मक विकल्प नहीं बन सकते। बच्चे को केवल अच्छा स्कूल, महंगा मोबाइल और सुविधाजनक जीवन देना पर्याप्त नहीं है। उसे संवाद चाहिए, स्पर्श चाहिए, कहानी चाहिए और यह भरोसा चाहिए कि घर में कोई उसकी बात बिना निर्णय सुनने वाला है।

पति-पत्नी भी हो सकते हैं अकेले

अकेलापन हमेशा अकेले रहने से पैदा नहीं होता। कई बार दो लोग साथ रहते हुए भी एक-दूसरे से भावनात्मक रूप से दूर हो जाते हैं। काम का दबाव, आर्थिक चिंता, करियर की प्रतिस्पर्धा, मोबाइल पर अत्यधिक समय और संवाद की कमी पति-पत्नी के बीच अदृश्य दूरी पैदा कर सकती है। घर में विवाद न होना हमेशा रिश्ते के स्वस्थ होने का प्रमाण नहीं है। कभी-कभी मौन भी रिश्तों की दूरी का संकेत होता है।

सोशल मीडिया-संपर्क या विकल्प?

सोशल मीडिया ने दुनिया को करीब लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दूर बैठे परिजनों से संपर्क आसान हुआ है। लेकिन आभासी संपर्क को वास्तविक रिश्तों का विकल्प मान लेना खतरनाक हो सकता है। 'लाइक' और 'कमेंट' भावनात्मक सहारा नहीं बन सकते। किसी तस्वीर पर सैकड़ों प्रतिक्रियाएं मिल सकती हैं, लेकिन बीमारी, संकट या दुख की घड़ी में हाथ पकड़ने वाला एक व्यक्ति अधिक महत्वपूर्ण होता है। इसलिए प्रश्न यह नहीं कि हमारे कितने डिजिटल मित्र हैं, बल्कि यह है कि हमारे दुख को बिना बताए समझने वाले कितने लोग हैं।

सम्पादकीय

डिजिटल सुरक्षा की ढाल नाबालिगों को देनी होगी

बच्चों को लेकर सोशल मीडिया व डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का सुरक्षित इस्तेमाल नहीं हो पाना वैश्विक चिंता का विषय बनता जा रहा है। इसी चिंता से जुड़ी एक याचिका पर संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार व संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है। याचिका में बच्चों द्वारा सोशल मीडिया एवं अन्य डिजिटल प्लेटफार्मों के इस्तेमाल पर सुरक्षा उपायों की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि अठारह वर्ष से कम उम्र वालों का सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के लिए अभिभावकों की सहमति अनिवार्य की जानी चाहिए।

याचिका में उठाई गई चिंता को वाजिब बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मौखिक टिप्पणी भी की है कि भारत में बच्चों के लिए कुछ सुरक्षा उपायों की सख्त जरूरत है। सबसे बड़ी चिंता इस बात की भी है कि प्रमुख सोशल मीडिया कंपनियों के नियम भारतीय कानून से मेल नहीं खा रहे। हमारे यहां अठारह वर्ष से कम उम्र वाले को नाबालिग की श्रेणी में रखा जाता है जबकि सोशल मीडिया प्लेटफार्म तेरह वर्ष की उम्र में भी बच्चों का अकाउंट खोलने की अनुमति देते हैं। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि इंटरनेट और सोशल मीडिया के विस्तार ने सभी आयु वर्ग के लिए शिक्षा, संवाद और मनोरंजन के नए अवसर खोले हैं। लेकिन इन अवसरों के साथ-साथ जोखिम भी कम नहीं है। कम उम्र में ही सोशल मीडिया पर सक्रियता बच्चों में कई तरह की शारीरिक व मानसिक व्याधियों को तो जन्म दे ही रही है, हानिकारक कंटेंट, साइबर बुलिंग व ऑनलाइन शोषण का खतरा भी मंडरा रहा है। बाल यौन शोषण सामग्री का प्रसार तो गंभीर आपराधिक और सामाजिक चुनौती बनता जा रहा है। इसी कारण न्यायपालिका भी अब डिजिटल मंचों की जिम्मेदारी, कानून के पालन और बच्चों की सुरक्षा के बीच संतुलन पर अधिक स्पष्टता चाहती दिखाई दे रही है। दरअसल, यह बहस केवल सोशल मीडिया की आयु सीमा तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों के लिए सुरक्षित डिजिटल वातावरण तैयार करने से जुड़ी व्यापक चुनौती है। इसी चुनौती से निपटने के लिए पिछले साल ही ऑस्ट्रेलिया ने अपने यहां 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर कानूनी प्रतिबंध लगाया है। हमारे यहां भी आयुसीमा तय करने व अभिभावकों की सहमति की जब भी मांग उठती है तो एक सवाल यह भी आता है कि आयु सत्यापन कैसे होगा? यह सवाल इसलिए भी क्योंकि सोशल मीडिया कंपनियों ने आयु सत्यापित करने के विश्वसनीय तरीके भी उपलब्ध नहीं कराए हैं।

नाबालिगों को डिजिटल सुरक्षा की ढाल उपलब्ध कराना समय की मांग है। बच्चों को सोशल मीडिया से जुड़े खतरों से दूर करने के लिए कानूनी उपाय तो करने ही होंगे, हम सबको सजग भी रहना होगा। शिथिलता बरती गई तो गंभीर नतीजे भुगतने पड़ सकते हैं।

नई दिल्ली घोषणापत्र भारत की बड़ी कूटनीति कामयाबी

नगेन्द्र वशिष्ठ
पत्रकार
@jagrukjanta.net

नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स सम्मेलन में सर्वसम्मति से घोषणापत्र पारित हुआ। मोदी-शी मुलाकात से भारत-चीन संबंधों में सुधार की उम्मीद जगी, लेकिन व्यावहारिक चुनौतियां बरकरार हैं

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली में आयोजित 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की भव्यता और धूमधाम ने सम्मेलन से जुड़ी साधारण उम्मीदों को पीछे छोड़ दिया। भारत ने चौथी बार इस सम्मेलन की मेजबानी की। सम्मेलन में घोषणापत्र को अपनाया जाना ही सबसे महत्त्वपूर्ण कूटनीतिक उपलब्धि मानी जा सकती है, क्योंकि पश्चिम एशिया में अमेरिका के नेतृत्व वाले युद्ध में एक-दूसरे के विरोधी रहे ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अपने मतभेदों को दरकिनार किया, जिससे यह समूह सर्वसम्मति से नई दिल्ली घोषणापत्र को अपना सका।

घोषणापत्र के अंतिम पाठ को तटस्थ भाषा में तैयार किया गया, जिसमें ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों या ईरान द्वारा खाड़ी देशों पर किए गए हमलों और यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का उल्लेख नहीं किया गया। इस प्रकार, वक्तव्य ने कूटनीतिक रूप से गंभीर संकट को चतुराई से संभाला। इसके बजाय, इसमें अपेक्षाकृत सौम्य शब्दों में 'अधिकतम संयम बरतने और ऐसी कार्रवाई से बचने की आवश्यकता' की बात कही गई जिससे स्थिति और बिगड़ सकती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नेताओं को संबोधित करते हुए उभरती अर्थव्यवस्थाओं के इस समूह के 'परिपक्व होने' पर जोर देने की पश्चिम-विरोधी किसी भी संकेत से बचने में महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। किर्गिस्तान के बिश्केक में शांघाई सहयोग संगठन की बैठक के कुछ ही हफ्तों बाद आया यह संदेश भारत समेत उन अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्त्वपूर्ण था, जो अमेरिका या यूरोप के साथ जटिल व्यापार या द्विपक्षीय वार्ताओं के दौर से गुजर रही हैं।

वर्ष 2023 में भारत द्वारा आयोजित जी20 सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की अनुपस्थिति के विपरीत, इस सम्मेलन में उनकी उपस्थिति को दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोगात्मक कूटनीति में एक बड़ी छलांग के रूप में देखा जाना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश में दोनों देशों के कोर कमांडरों के बीच महत्त्वपूर्ण फ्लैग मीटिंग के तुरंत बाद आयोजित इस सम्मेलन में दोनों नेताओं द्वारा अपनाई गई स्पष्ट रूप से सुलहपूर्ण भाषा ने संबंधों में नए सिरे से बदलाव की उम्मीदें मजबूत कीं। शी ने कई मतभेदों के बावजूद 'एक-दूसरे की शक्तियों के पूरक' होने की बात कही। मोदी ने सीमा संबंधी मुद्दों पर दोनों पक्षों द्वारा 'मौजूदा समझौतों और समझ' का पालन करने की आवश्यकता पर बल दिया। ब्रिक्स और इस तरह के मंच निश्चित रूप से ऐसी बैठकों के लिए सहायक होते हैं। अलबत्ता इस उच्च स्तरीय शिखर सम्मेलन से चीन की जमीनी स्तर पर की गई कार्रवाइयों के पिछले अनुभवों को ध्यान में रखते हुए उम्मीदों को संतुलित रखना आवश्यक है। हालांकि दोनों नेताओं ने सांस्कृतिक आदान-प्रदान और व्यापारिक संबंधों को बढ़ाने की बात कही, लेकिन इस द्विपक्षीय बैठक की असली परीक्षा इस बात पर निर्भर करेगी कि चीन और भारत व्यापार और निवेश में सार्थक सहयोग के लिए कितनी हद तक तैयार हैं। नई दिल्ली घोषणापत्र में प्रौद्योगिकी से लेकर जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य, शिक्षा और संस्कृति तक सहयोगात्मक पहलों की एक विस्तृत सूची होने के बावजूद, मध्यम से दीर्घकाल में समूह की उपलब्धियों की संभावना सीमित ही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नेताओं को संबोधित करते हुए उभरती अर्थव्यवस्थाओं के इस समूह के 'परिप होने' पर जोर देने की पश्चिम-विरोधी किसी भी संकेत से बचने में महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। किर्गिस्तान के बिश्केक में शांघाई सहयोग संगठन की बैठक के कुछ ही हफ्तों बाद आया यह संदेश भारत समेत उन अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्त्वपूर्ण था, जो अमेरिका या यूरोप के साथ जटिल व्यापार या द्विपक्षीय वार्ताओं के दौर से गुजर रही हैं।

इसका कारण सदस्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं के आकार में व्यापक भिन्नता के साथ-साथ उनकी राजनीतिक प्रणालियों और भू-राजनीतिक लक्ष्यों की प्रकृति भी है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के 11 पूर्ण सदस्यों और 10 भागीदार देशों के साथ वैश्विक दक्षिण का प्रतिनिधित्व करने के अलावा, समूह से कोई स्पष्ट लाभ नजर नहीं आता। सहयोग का सबसे प्रमुख संस्थान, नैशनल डेवलपमेंट बैंक, आकार में छोटा है और पश्चिमी वित्तीय प्रणाली पर निर्भर है। विडंबना यह है कि 2022 में प्रतिबंध लगाए जाने के बाद इसे संस्थापक सदस्य रूस को ऋण देना बंद करना पड़ा।

डॉलर के विकल्प के रूप में एक वैकल्पिक मुद्रा विकसित करने के प्रयास भी विफल रहे हैं, जिसका कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की धमकियां और चीन के नेतृत्व वाली वैकल्पिक भुगतान प्रणाली का बढ़ता प्रभाव है। कुल मिलाकर, ब्रिक्स एक उद्देश्य की खोज में लगा और किसी को नुकसान नहीं पहुंचाने वाला समूह बना हुआ है।

आप चाहते हैं कि आपके माता-पिता आप पर गर्व करें?

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

एक शिक्षक के रूप में मैं पिछले कई वर्षों से विद्यार्थियों के साथ काम कर रहा हूँ। आजकल कई किशोर और युवा अक्सर कहते हुए दिखाई देते हैं, "मैं जीवन में कुछ ऐसा करना चाहता हूँ जिससे मेरे माता-पिता को मुझ पर गर्व हो।"सतही तरीके से देखने पर लगता है कि सब ठीक है, लेकिन गहराई से देखने पर लगता है कि शायद कुछ दिक्कत है। क्योंकि अगर हम सभी यही चाहते हैं कि हमारे अपने हम पर गर्व करें, तो दुनिया में अहंकार, गुस्सा और घमंड क्यों बढ़ रहा है?

अभिलाष मोदी
शिक्षाविद्
@jagrukjanta.net

कई बार हम सोचते हैं कि किसी बड़े कॉलेज में एडमिशन मिल जाना, कोई बड़ा एग्जाम पास कर लेना, अच्छी सरकारी या प्राइवेट नौकरी मिल जाना या बहुत पैसा कमाना ही ऐसी चीजें हैं जिनसे माता-पिता गर्व महसूस करेंगे। निश्चित रूप से ये उपलब्धियाँ कुछ समय का उत्साह देती हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल उपलब्धियाँ ही गर्व जैसा गहरा और लंबे समय तक टिकने वाला भाव ला पाती हैं?

कल्पना कीजिए एक ऐसे व्यक्ति की जो अपने जीवन में केवल सफल ही नहीं, बल्कि आंतरिक रूप से सुलझा हुआ भी है। वह अपने शरीर, अपने मन, अपने परिवार और अपने रिश्तों के प्रति जिम्मेदार है। उसके पास कौशल है, वह धन कमाता है और अपनी आर्थिक जरूरतों को पूरा करता है लेकिन उसका पूरा जीवन केवल लोगों से प्रशंसा और ध्यान पाने के लिए नहीं चलता।

क्योंकि वह अन्दर से सुलझा हुआ हैं इसलिए वह जीवनयापन के लिए पैसा कमाता है, लेकिन पैसे के साथ तनाव और निराशा नहीं कमाता। वह अपने करियर में आगे बढ़ता है पर अपने रिश्तों को पीछे नहीं छोड़ता। जब वह घर पर होता है तो अपने परिवार के साथ समय बिता पाता है। वह दूसरों को सुन सकता है और अपनी बात भी सम्मानपूर्वक रख सकता है।

क्या ऐसे व्यक्ति को देखकर उसके माता-पिता स्वाभाविक रूप से गर्व महसूस नहीं करेंगे?

एक सीधा जवाब हैं-करेंगे, निश्चित रूप से करेंगे!

दूसरी ओर, एक ऐसे व्यक्ति के बारे में सोचिए जो दुनियावी मायनों में बड़ी नौकरी करता है और दुनिया के मुकाबले काफी पैसा कमाता है, लेकिन हर छोटी बात पर चिड़चिड़ा हो जाता है। लोगों की बुराई करता रहता है, रात में ठीक से सो भी नहीं पाता और घर आते ही गुस्सा करने लगता है। वह हमेशा तनाव में रहता है और दूसरों की इनकम के हिसाब से खुद को छोटा-बड़ा मानता रहता है।

वह बार-बार सोचता है, अब कौन-सा नया मोबाइल खरीदूँ? क्या करूँ जिससे लोग मुझपर ज्यादा ध्यान दें? कौन-सी चीज खरीदूँ जिससे मैं थोड़ा और खुश हो जाऊँ? उस व्यक्ति ने शायद कभी कोई बड़ा एग्जाम पास किया था और उस समय उसे बहुत प्रशंसा भी मिली थी। लेकिन अगर आज भी वह अंदर से इतना उलझा हुआ है, तो आप ही सोचिए, क्या उसके माता-पिता उसकी जिंदगी को देखकर सच में गर्व महसूस कर पाएँगे?

एक सीधा जवाब हैं-नहीं!

परिवार को किसी व्यक्ति पर गर्व तब महसूस होता है जब वे देखते हैं कि उनका बच्चा, उनका भाई, उनके पापा-मम्मी उन लोगों को याद रखते है जिन्होंने उसके जीवन की नींव बनाई। वह अपने दोस्त, भाई-बहन, माता-पिता के योगदान को समझता है। वह उन शिक्षकों को भी याद रखता है जिन्होंने बचपन में उसे अक्षर लिखना, गणित के छोटे प्रश्न हल करना और सीखने की शुरुआत करना सिखाया।

वह यह नहीं सोचता कि "मैंने सब कुछ अकेले किया है।" वह समझता है कि उसके जीवन में अनेक लोगों का योगदान रहा है।

यहीं से हमें गर्व और घमंड का वास्तविक अंतर दिखाई देता है।

गर्व कहता है, "यदि अधिक लोग मेरे जैसी समझ और जीवन-मूल्यों के साथ जीने लगें, तो दुनिया एक बेहतर जगह बन जाएगी।"

जबकि घमंड कहता है, "कोई मेरे जैसा नहीं होना चाहिए, वरना मुझे कौन भाव देगा?"

घमंड अंत में दूरी और अकेलापन बढ़ाता है, जबकि सच्चा गर्व हमें परिवार, लोगों और दुनिया से जोड़ता है। गर्व महसूस करने वाला व्यक्ति खुद को अपनी नजरों में एक सही व्यक्ति मान पाता है।

हमें नहीं भूलना चाहिए कि एक समय के बाद हमारी बड़ी-बड़ी उपलब्धियों की चमक कम हो जाती है। लेकिन हम अपने आसपास के लोगों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं, लोगों से कैसे बात करते हैं, कितना कृतज्ञ रहते हैं और अपनी जिंदगी कितनी समझदारी से जीते हैं, ये बातें लंबे समय तक बनी रहती हैं।

इसलिए अगर हम सच में चाहते हैं कि हमारे अपने हम पर गर्व करें, तो केवल किसी परीक्षा को पास कर लेना या किसी नौकरी का लग जाना काफी नहीं है। हमें एक ऐसा इंसान बनने की कोशिश करनी है जिसे देखकर हमारे आसपास के लोग यह महसूस करें, "हमारा बच्चा जिंदगी को सच में समझता है और यह समझ उसके जीने में दिख रही हैं।"

तो आइए, एक बेहतर विचार, एक बेहतर समझ और एक बेहतर जिंदगी की ओर बढ़ें। एक गर्व और ढेर सारी खुशियों से भरी जिंदगी हमारा इंतजार कर रही है।

ऑर्डर कीजिए, मिलेगा कुछ नहीं

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

रात के दस बजे हैं। खाना खा चुके हैं, भूख भी नहीं है, लेकिन मोबाइल हाथ में आते ही उँगलियाँ किसी फूड डिलीवरी ऐप पर पहुँच जाती हैं। पहले पिज्जा देखते हैं, फिर बर्गर, फिर चाइनीज। एक-एक करके चीजें कार्ट में भरते जाते हैं। एक्स्ट्रा चीज, कोल्ड ड्रिंक और शायद कोई मिठाई भी। इसके साथ ही कुछ कॉस्मेटिक और गैजेट या बैग मतलब जो दिखा और पसंद भी आ गया। कुल बिल सामने आता है तो अचानक भीतर बैठा समझदार आदमी जाग जाता है। इतना खर्च करने की क्या जरूरत है? और फिर बिना ऑर्डर किए ऐप बंद कर देते हैं। लेकिन गौर करने वाली बात यह है कि कई बार उस पूरी प्रक्रिया में हमें उतना आनंद मिल चुका होता है, जितना शायद खाना और सामान मिलने पर भी न मिले। दक्षिण कोरिया में इसी मानवीय मनोविज्ञान को समझकर एक नया डिजिटल प्रयोग सामने आया है। वहां कुछ ऐसी वेबसाइट और ऐप बनाए गए हैं, जहां व्यक्ति बिल्कुल असली फूड डिलीवरी ऐप की तरह खाना और सामान चुन सकता है, कार्ट भर सकता है, अपना पता डाल सकता है, पेमेंट तक की प्रक्रिया पूरी कर सकता है और ऑर्डर भी कर सकता है। फर्क सिर्फ इतना है कि न पैसे कटते हैं, न सामान आता है और न ही कोई डिलीवरी बॉय आता है। दरवाजा खोलने पर कुछ नहीं मिलता। इसे डोपामिन साइट्स कहा जा रहा है। यानी वह डिजिटल दुनिया, जहां आपको वस्तु नहीं, बल्कि उसे पाने का क्षणिक सुख मिलता है। पहली नजर में यह विचार अजीब लग सकता है कि आखिर कोई व्यक्ति उस चीज का ऑर्डर क्यों करेगा, जिसे वह जानता है कि उसे कभी मिलनी ही नहीं है? लेकिन शायद यही हमारे समय के मनुष्य को समझने की सबसे दिलचस्प कुंजी है। आज हमें कई बार वस्तु से ज्यादा उसे पाने की प्रक्रिया आकर्षित करती है।

डॉ. अर्चना गोदारा
स्वतत्र लेखक
@jagrukjanta.net

मनोविज्ञान की दृष्टि से देखें तो मनुष्य का मस्तिष्क केवल उपलब्धि पर ही प्रसन्न नहीं होता, उसकी संभावना भी उसे उत्तेजित करती है। नया मोबाइल खरीदने से पहले उसके वीडियो देखना, छुट्टी पर जाने से पहले होटल खोजना, ऑनलाइन शॉपिंग साइट पर घंटों कपड़े चुनना या कार्ट भरकर छोड़ देना, यह सब हमारे लिए बिल्कुल अपरिचित अनुभव नहीं है। सुख कई बार चीज मिलने में नहीं, बल्कि इस कल्पना में होता है कि वह चीज हमारी हो सकती है। दक्षिण कोरिया के ये प्लेटफॉर्म इसी भावना को एक नया रूप दे रहे हैं। वहां युवा वास्तविक खर्च, कैलोरी, पछतावे और आर्थिक दबाव से बचते हुए केवल ऑर्डर करने का सुख ले रहे हैं। लेकिन इस कहानी का एक सामाजिक पक्ष भी है। हम ऐसे समय में जी रहे हैं जहां इच्छाएं लगातार बढ़ाई जा रही हैं। सोशल मीडिया खोलिए तो किसी की विदेश यात्रा दिखाई देती है, किसी की नई कार, किसी का शानदार घर और किसी की महंगी डिनर टेबल। बाजार हर दिन हमारे सामने नई जरूरतें और जिज्ञासाएं पैदा करता है। पहले विज्ञापन अखबार और टीवी तक सीमित थे, अब मोबाइल हमारे हाथ में है और बाजार हमारी जेब में बैठा है। वह जानता है कि हमें क्या पसंद है और शायद यह भी कि हम कब कमजोर पड़ सकते हैं। लेकिन इच्छाओं की इस तेज रफ्तार के साथ आम आदमी की आय हमेशा उसी गति से नहीं बढ़ती। यहीं से पैदा होती है एक विचित्र स्थिति। हम सब कुछ देख सकते हैं, चुन सकते हैं, कार्ट में डाल सकते हैं, लेकिन हर चीज खरीद नहीं सकते।

भारत में भी यह बदलाव तेजी से दिखाई दे रहा है। फूड डिलीवरी अब कभी-कभार की सुविधा नहीं रही। Swiggy के दस्तावेजों में अनुमान है कि भारत में ऑनलाइन फूड डिलीवरी बाजार लगभग 27 हजार करोड़ रुपये के स्तर से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 तक करीब 80 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। देश में फूड डिलीवरी करने वाले ग्राहकों की संख्या भी करोड़ों में है और एक सक्रिय ग्राहक औसतन महीने में तीन से पांच बार ऑनलाइन खाना ऑर्डर करता है। आंकड़ा केवल बाजार की सफलता नहीं बताता, बल्कि हमारी बदलती जीवनशैली की कहानी भी कहता है। कई घरों में जरूरत से ज्यादा सामान खरीद लेना, सेल देखकर कपड़े मंगवा लेना या रात को भूख न होने पर भी कुछ ऑर्डर कर देना आम बात हो गई है। फिर महीने के अंत में यही छोटी-छोटी खुशियां खर्चों की लंबी सूची बन जाती हैं।

ओपिनियन

आधुनिक युग में गणपति पूजा का महत्व एवं शिक्षा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भगवान श्री गणेश का नाम आते ही हमारे मस्तिष्क में एक स्थूल काय एवं सुस्त से व्यक्ति की कल्पना आती है। किंतु सत्य यह है की इनका यह शरीर ही उनकी विशेषता है तथा इसी विशेषता के कारण प्रथम पूज्य माने जाते हैं तथा धन संपदा बुद्धि एवं कीर्ति प्रदान कर्ता माने जाते हैं। हिंदू संस्कृति में भगवान गणेश मात्र एक पौराणिक देवता नहीं हैं, बल्कि वे मानवीय चेतना, विवेक और जीवन जीने की कला के सबसे बड़े मार्गदर्शक हैं। शिव और माता पार्वती के लाडले पुत्र गणेश को विघ्नहर्ता कहा जाता है, क्योंकि वे अपने भक्तों के जीवन से सभी बाधाओं को दूर करते हैं।

करनी प्रताप
समाजविद्
@jagrukjanta.net

गुप्त साम्राज्य के स्वर्ण युग से लेकर चोल राजवंश के कांस्य शिल्पों तक, और खमेर साम्राज्य (कंबोडिया) से लेकर जावा-सुमात्रा (इंडोनेशिया) के प्राचीन मंदिरों तक, गणेश की मूर्तियों का एक समृद्ध वैश्विक इतिहास रहा है।'नृत्य गणपति' की त्रिभंग और नृत्य मुद्रा की मूर्तियां चोल काल की कलात्मक पराकाष्ठा को दर्शाती हैं, जहाँ देवत्व और सौंदर्यशास्त्र का अद्भुत मिलन होता है।जापान में उन्हें 'कंजिटेन' के रूप में पूजा जाता है, जो सौभाग्य और व्यापार के देवता हैं। तिब्बत और चीन के बौद्ध ग्रंथों में भी गणेश का एक विशिष्ट स्थान है। आज के लक्जरी लिविंग रूम्स और वैश्विक आर्ट गैलरीज में गणेश की अमूर्त और न्यूनतम मूर्तियां व पेंटिंग्स अभिजात वर्ग की पहली पसंद हैं। एम.एफ. हुसैन, एस.एच. रज़ा और जतिन दास जैसे महान आधुनिक चित्रकारों ने गणेश को अपनी कूची से एक नया समकालीन आयाम दिया है। गणेश का स्वरूप इतना अनूठा है कि मात्र कुछ रेखाओं और एक वक्र के माध्यम से उनकी उपस्थिति को जीवंत किया जा सकता है, जो आधुनिक कला के 'लेस इज मोर' के सिद्धांत पर सटीक बैठता है।

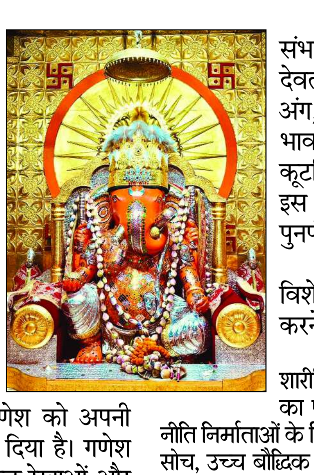

गणेश जी का अनोखा स्वरूप साधारण नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरा आध्यात्मिक और व्यावहारिक जीवन प्रबंधन का संदेश छिपा है। सदियों से, भगवान गणेश कलाकारों, शिल्पकारों और विचारकों के लिए प्रेरणा के सबसे बड़े स्रोत रहे हैं। उनकी आकृति में जो लचीलापन, जो ज्यामितीय संतुलन और जो अमूर्त संभावनाएं हैं, वे दुनिया के किसी अन्य देवता में दुर्लभ हैं। गणेश जी का प्रत्येक अंग, प्रत्येक आयुध और उनकी प्रत्येक भावभंगिमा एक उच्च-स्तरीय बौद्धिक कूटलिपि है। एक प्रबुद्ध मस्तिष्क के लिए इस कूटलिपि को समझना जीवन को पुनर्परिभाषित करने जैसा है।

आइये हम गणपति के अंगों की विशेषता एवं उनमें छुपा हुआ रहस्य पता करने की कोशिश करते हैं:

हाथी का सिर गज-मस्तक: कोई शारीरिक विसंगति नहीं, बल्कि 'मैक्रो-विज़न' का प्रतीक है। कारपोरेट लीडर्स और वैश्विक नीति निर्माताओं के लिए इसका अर्थ है - दूरदर्शिता। यह गहरी सोच, उच्च बौद्धिक क्षमता, विवेक और ज्ञान का प्रतीक है। यह हमें बड़ा सोचने की प्रेरणा देता है। हाथी अपनी ऊँचाई के कारण दूर तक देख सकता है। एक सफल नेतृत्वकर्ता को भी तात्कालिक लाभ से ऊपर उठकर दीर्घकालिक परिणामों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हाथी कभी उतावलापन नहीं दिखाता, उसकी चाल में एक गरिमा और स्थिरता होती है। यही गुण एक परिपक्व और अभिजात व्यक्तित्व की पहचान है।

विशाल कर्ण : सक्रिय श्रवण कला: बड़े कान सिखाते हैं कि एक अच्छा श्रोता बनना कितना जरूरी है। एक अच्छा नेता बोलने से पहले सुनता है। दूसरों के विचारों को धैर्यपूर्वक सुनना ही उच्च संस्कृति का परिचायक है।

लंबी और वक्र सूंड : अनुकूलनशीलता सूंड परिस्थितियों के प्रति बेहद संवेदनशील और अनुकूल होने की क्षमता को दर्शाती है। गणेश जी की सूंड अत्यंत लचीली होती है। यह विशाल वृक्षों को उखाड़ सकती है और भूमि पर गिरी अत्यंत सूक्ष्म सुई को भी उठा सकती है। यह 'अनुकूलनशीलता और चपलता' का प्रतीक है। आधुनिक वैश्विक परिदृश्य में, जहाँ परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं , वहाँ वही व्यक्ति या संगठन जीवित रह सकता है जो गणेश की सूंड की तरह लचीला और संवेदनशील हो।

छोटे नेत्रः लेज़र जैसी एकाग्रता- गणेश जी की आँखें छोटी और गहरी हैं। यह 'माइक्रो-एनालिसिस' (Micro-Analysis) और अंतर्दृष्टि (Insight) का सूचक है। यह सिखाता है कि सतही तौर पर दिखने वाली चीजों के पीछे छिपे गहरे सत्यों को कैसे देखा जाए। आधुनिक डेटा-संचालित (Data-Driven) दुनिया में, यह लेज़र जैसी एकाग्रता ही सफलता की कुंजी है।

छोटा मुखः यह कम और मधुर बोलने का प्रतीक है, जो जीवन में विवादों से बचाता है।

लंबोदरः सूचनाओं और रहस्यों का समानीकरण- विशाल उदर का अर्थ केवल भोजन का पाचन नहीं है, बल्कि यह जीवन के अनुभवों, रहस्यों, आलोचनाओं और प्रशंसाओं को पचाने की क्षमता है। एक उच्च पदस्थ व्यक्ति को कई गोपनीय बातों को अपने भीतर सुरक्षित रखना होता है। उसे कड़वी आलोचनाओं को भी बिना विचलित हुए पचाना होता है। लंबोदर होना मानसिक विशालता का प्रतीक है। विशाल पेट यह संदेश देता है कि मनुष्य को जीवन के सभी सुख-दुख, मान-अपमान और गुप्त बातों को सहजता से पचा लेना चाहिए।

एकदंत (टूटा हुआ दांत): बौद्धिक समर्पण की पराकाष्ठा है । भगवान गणेश को 'एकदंत' कहा जाता है। इसके पीछे की कथा केवल एक युद्ध का प्रसंग नहीं है, बल्कि यह ज्ञान और रचनात्मकता के लिए किए गए सर्वोच्च बलिदान की गाथा है।यह विपरीत परिस्थितियों में भी अडिग रहने और त्याग की भावना को दर्शाता है। इसी एक दंत से उन्होंने महान ग्रंथ 'महाभारत' की रचना की थी। जब महर्षि वेदव्यास ने महाभारत जैसे महाकाव्य को लिखने का निश्चय किया, तो उन्हें एक ऐसे लेखक की आवश्यकता थी जो बिना रुके, निरंतर उनकी वैचारिक गति के साथ लिख सके। गणेश जी ने इस कार्य को स्वीकार किया। लेखन के दौरान जब अचानक उनकी लेखनी टूट गई, तो उन्होंने एक क्षण का भी विलंब किए बिना अपना एक दांत तोड़ लिया और उसे स्याही में डुबोकर लिखना जारी रखा। यह घटना दर्शाती है कि किसी महान कार्य को पूरा करने के लिए प्रतिबद्धता होनी चाहिए तथा अपने शारीरिक या भौतिक सुखों का बलिदान करने से पीछे नहीं हटना चाहिए। कार्य की अखंडता, निरंतरता और गुणवत्ता में कोई समझौता नहीं होना चाहिए। बौद्धिक नेतृत्व द्वारा कला और ज्ञान का सृजन ही मानव जीवन का सर्वोच्च लक्ष्य है।

मूषक वाहन (चूहा): चूहा चंचलता और कुतरने की प्रवृत्ति (इच्छाओं) का प्रतीक है। उस पर गणेश जी की सवारी दर्शाती है कि बुद्धि के द्वारा अपनी अनियंत्रित इच्छाओं और मन पर नियंत्रण पाना कितना आवश्यक है। एक विशालकाय देव का वाहन एक अत्यंत छोटा जीव 'चूहा' है। यह अंतर्विरोध ही इस दर्शन की सुंदरता है। गणेश का उस पर बैठना यह दर्शाता है कि एक बुद्धिमान व्यक्ति अपनी वासनाओं को अपने ऊपर हावी नहीं होने देता, बल्कि उन्हें वश में रखता है।

पंचांग

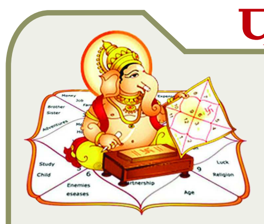

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 16/09/2026

सूर्योदय : 06:16 **सूर्यास्त** : 18:26 **चन्द्रोदय** : 11:00 **चन्द्रास्त** : 21:33
शक सम्वत : 1948 पराभव **विक्रम संवत्** : 2083 सिद्धार्थी **अमान्ता महीना** : भाद्रपद **पूर्णिमांत** : भाद्रपद **सूर्य राशि** : सिंह **चन्द्र राशि** : तुला
पक्ष : शुक्ल **तिथि** : पंचमी, 09:01 तक **वार** : बुधवार **द्रिक ऋतु** : शरद
द्रिक-वैदिक अयन : दक्षिणायन **कलियुग** : 5127 वर्ष।

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : विशाखा, 17:19 तक
योग : वैधृति, 12:14 तक
प्रथम करण : बालवा, 09:01 तक
द्वितिय करण : कौवाला, 21:52 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:33 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:56 ए एम से
विजय मुहूर्त	02:19 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	06:25 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:25 पी एम से
अमृत काल	07:50 ए एम से
निशिता मुहूर्त	11:53 पी एम से
सर्वार्थ सिद्धि योग	05:22 पी एम से
अमृत सिद्धि योग	05:22 पी एम से
रवि योग	05:22 पी एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : बुध
अग्निवास: पाताल, पृथ्वी

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 06:15 - 07:46	उद्वेग : 18:25 - 19:54
अमृत	: 07:46 - 09:18	शुभ : 19:54 - 21:23
काल काल वेला	: 09:18 - 10:49	अमृत : 21:23 - 22:52
शुभ	: 10:49 - 12:20	चर : 22:52 - 00:20
रोग वार वेला	: 12:20 - 13:52	रोग : 00:20 - 01:49
उद्वेग	: 13:52 - 15:23	काल : 01:49 - 03:18
चर	: 15:23 - 16:54	लाभ : 03:18 - 04:47
लाभ	: 16:54 - 18:25	उद्वेग : 04:47 - 06:15

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज पंचमी

आज कौन सा कार्य करें

पंचमी समस्त शुभ कार्यों के लिए उत्तम है परंतु इस दिन ऋण कतई नहीं देना चाहिए।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

भाद्रपद, शुक्ल, पंचमी, 2083 बुधवार, 16 सितम्बर - 22 सितम्बर, 2026

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
निर्माण कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ बदलाव कर सकते हैं। मित्रों के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। बीमारी पर खर्च होगा। बुजुर्गो के साथ समय बिताएं मार्गदर्शन मिलेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
व्यापार में जिम्मेदारियाँ बढ़ सकती है। आपकी कर्तव्यनिष्ठा की प्रशन्सा होगी। मित्रों का सहयोग लेना हितकारी होगा। जो लोग आपके विरुद्ध थे, वे अचानक आपके पक्ष में आ सकते हैं।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
विदेश में कार्यरत लोगों को सम्मान मिल सकता है। व्यवसाय में रुके हुये कार्यों में सफलता मिलेगी। जॉब में बदलाव करने का विचार बनायेंगे। प्रेम सम्बन्धों में कुछ प्रतिकूलता रहेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

शहरी सरकार में इनकी रहेगी भागीदारी

जयपुर शहर में अब इन पार्षदों के नीति नियमों से होगा कार्य

विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र

वार्ड-01	निर्दलीय	मोहनलाल कुमावत	कुल मत 2905	मयंक शर्मा निर्दलीय	कुल मत 2333	अंतर : 572
वार्ड-02	कांग्रेस	मणिराज सिंह	कुल मत 5550	हनुमान प्रसाद सैनी, बीजेपी	कुल मत 5135	अंतर : 41
वार्ड-03	भाजपा	भवानी शंकर शर्मा	कुल मत 4883	हरी शंकर गौरा निर्दलीय	कुल मत 3735	अंतर : 1148
वार्ड-04	भाजपा	पिंकी देवीशर्मा	कुल मत 7172	ललिता सैनी निर्दलीय	कुल मत 2559	अंतर : 4613
वार्ड-05	निर्दलीय	देवेंद्र निठारवाल	कुल मत 3903	नरेंद्र शेखावत, भाजपा	कुल मत 3093	अंतर : 810
वार्ड-06	भाजपा	स्नेहलता साहू	कुल मत 3991	मधुबाला शर्मा कांग्रेस	कुल मत 2565	अंतर : 1426
वार्ड-07	कांग्रेस	पूनम तिवारी	कुल मत 4362	पूजा भाजपा	कुल मत 3691	अंतर : 671
वार्ड-08	निर्दलीय	मंजू शर्मा	कुल मत 4111	सुमन अग्रवाल भाजपा	कुल मत 2829	अंतर : 1282
वार्ड-09	पुनर्मतदान					अंतर : 000 नोटा : 000
वार्ड-10	भाजपा	पलक यादव	कुल मत 4063	वंदना कांग्रेस	कुल मत 3138	अंतर :925
वार्ड-11	भाजपा	शैलेंद्र शर्मा	कुल मत 3453	प्रेमसिंह कांग्रेस	कुल मत 3007	अंतर : 446
वार्ड-12	भाजपा	राजेन्द्र सैनी	कुल मत 4533	पंकज कुमार सैनी कांग्रेस	कुल मत 3393	अंतर : 1140
वार्ड-13	निर्दलीय	रणवीर सिंह	कुल मत 4719	धनराज सैनी	कुल मत 4486	अंतर : 233
वार्ड-14	भाजपा	दिग्विजय सिंह	कुल मत 5355	हाकिम सिह कांग्रेस	कुल मत 5089	अंतर : 266
वार्ड-15	भाजपा	विक्रमसिंह	कुल मत 3233	बद्री नारायण कुमावत कांग्रेस	कुल मत 2695	अंतर : 538
वार्ड-16	भाजपा	महेश संघी	कुल मत 4071	राजेश अत्री कांग्रेस	कुल मत 1614	अंतर : 2457
वार्ड-17	भाजपा	सुमेर जोधा	कुल मत 4579	भूपेन्द्र सिंह कांग्रेस	कुल मत 4027	अंतर :552
वार्ड-18	पुनर्मतदान					अंतर : 000 नोटा : 000
वार्ड-19	कांग्रेस	मो.फारूख	कुल मत 3581	शाहनवाज भाजपा	कुल मत 3118	अंतर : 463
वार्ड-20	भाजपा	डॉ. उदिता	कुल मत 4684	मोनिका सैनी कांग्रेस	कुल मत 4658	अंतर : 26
वार्ड-21	कांग्रेस	राकेश लाटा	कुल मत 4185	अजय सिंह चौहान भाजपा	कुल मत 4058	अंतर : 127
वार्ड-22	भाजपा	वीरेंद्र शेखावत	कुल मत 4290	कर्णवीर कांग्रेस	कुल मत 3898	अंतर : 392

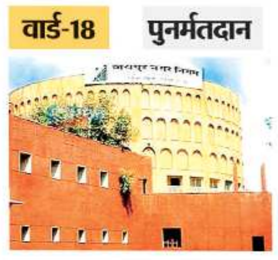

झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र

वार्ड-23	भाजपा	विकास बारेठ	कुल मत 2033	अम्बादान सिंह	कुल मत 1847	अंतर : 118
वार्ड-24	भाजपा	आनंद खेड़ी	कुल मत 4199	विनोद निर्दलीय	कुल मत 4081	अंतर : 118
वार्ड-25	पुनर्मतदान					अंतर : 000 नोटा : 000
वार्ड-26	निर्दलीय	सुशीला	कुल मत 7944	अनीता देवी कांग्रेस	कुल मत 7587	अंतर :537
वार्ड-27	भाजपा	शंकर यादव	कुल मत 3762	सुरेश चौपड़ा आरएलपी	कुल मत 3543	अंतर : 219
वार्ड-28	कांग्रेस	रविन्द्र सिंह शेखावत	कुल मत 2813	शक्तिसिंह	कुल मत 2616	अंतर : 197
वार्ड-29	निर्दलीय	विक्रम शेखावत	कुल मत 2817	महादेव, भाजपा	कुल मत 2014	अंतर :776
वार्ड-30	भाजपा	युवराज राठौड़	कुल मत 2921	रविन बुढानिया कांग्रेस	कुल मत 2299	अंतर :622
वार्ड-31	भाजपा	विजय अग्रवाल	कुल मत 2424	जय कुमार कांग्रेस	कुल मत 1461	अंतर : 931
वार्ड-32	कांग्रेस	सीमा शर्मा	कुल मत 3987	श्वेता भाजपा	कुल मत 3128	अंतर : 859
वार्ड-33	भाजपा	सीमा यादव	कुल मत 3120	प्रियंका यादव	कुल मत 2471	अंतर :649
वार्ड-34	पुनर्मतदान					अंतर : 000 नोटा : 000
वार्ड-35	निर्दलीय	अमरचंद कुमावत	कुल मत 4828	अनिल माथुर कांग्रेस	कुल मत 3367	अंतर :1461
वार्ड-36	भाजपा	गजेन्द्र शेखावत	कुल मत 6442	रतन चौपड़ा कांग्रेस	कुल मत 4173	अंतर : 2269
वार्ड-37	कांग्रेस	देवीलाल	कुल मत 6575	कमलकिशोर भाजपा	कुल मत 3483	अंतर : 3029

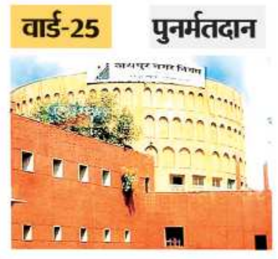

सांगानेर विधानसभा क्षेत्र

वार्ड-38	भाजपा	गणेश नारायण	कुल मत 6791	रामसिंह कांग्रेस	कुल मत 4487	अंतर :2304
वार्ड-39	कांग्रेस	अजय सैनी	कुल मत 6472	भंवरलाल मील लील भाजपा	कुल मत 5925	अंतर : 547
वार्ड-40	भाजपा	नीरज गर्ग	कुल मत 5312	मनीष कुमार शर्मा कांग्रेस	कुल मत 3752	अंतर : 1560
वार्ड-41	भाजपा	दया सिंह धाकड़	कुल मत 5402	पंकज, कांग्रेस	कुल मत 2849	अंतर :2553
वार्ड-42	भाजपा	अशोक रावतानी	कुल मत 4280	चंद्रवीर सिंह कांग्रेस	कुल मत 1749	अंतर : 2531
वार्ड-43	भाजपा	शैलेंद्र भार्गव	कुल मत 3058	आशीष शर्मा कांग्रेस	कुल मत 2796	अंतर 262
वार्ड-44	भाजपा	नवीन भण्डारी	कुल मत 4046	विनय प्रताप कांग्रेस	कुल मत 2000	अंतर :2046
वार्ड-45	कांग्रेस	सुभाष नौनीवाल	कुल मत 3280	जसवंत, भाजपा	कुल मत 3168	अंतर : 112
वार्ड-46	भाजपा	शिवकांता पाण्डेय	कुल मत 3250	सपना निर्दलीय	कुल मत 1489	अंतर 1761
वार्ड-47	भाजपा	दीपा नाथावत	कुल मत 2897	दामोदर मीणा, कांग्रेस	कुल मत 2691	अंतर : 206
वार्ड-48	भाजपा	सिद्धार्थ	कुल मत 5152	हरिओम निर्दलीय	कुल मत 1839	अंतर : 3313
वार्ड-49	कांग्रेस	धर्मसिंह सिंघानिया	कुल मत 8382	मुकेश शर्मा भाजपा	कुल मत 7900	अंतर : 482
वार्ड-50	भाजपा	प्रहलाद चावला	कुल मत 6570	निर्मला बैरवा कांग्रेस	कुल मत 4730	अंतर : 1840
वार्ड-51	कांग्रेस	मनमोहन गुर्जर	कुल मत 7046	महेंद्र छीपा, कांग्रेस	कुल मत 5381	अंतर : 1665
वार्ड-52	कांग्रेस	हनुमान सैनी	कुल मत 5899	पूरनमल सैनी भाजपा	कुल मत 5836	अंतर : 63
वार्ड-53	भाजपा	सतीश कुमार	कुल मत 4110	राजीव चौधरी कांग्रेस	कुल मत 3641	अंतर : 469
वार्ड-54	भाजपा	कमल किशोर	कुल मत 3993	प्रियंका वैद कांग्रेस	कुल मत 2333	अंतर : 1660
वार्ड-55	भाजपा	रिंकुम उमरवाल	कुल मत 4967	संजय बैरवा कांग्रेस	कुल मत 3703	अंतर : 1264
वार्ड-56	कांग्रेस	शारदा चौधरी	कुल मत 4760	रेखा सैनी भाजपा	कुल मत 4412	अंतर : 348
वार्ड-57	भाजपा	गिर्राज शर्मा	कुल मत 7015	अमित सैनी कांग्रेस	कुल मत 5063	अंतर : 1952
वार्ड-58	भाजपा	सरोज वर्मा	कुल मत 6632	रामप्यारी कांग्रेस	कुल मत 4112	अंतर : 2520

कुलदीप देवभूमि नक्षत्र ज्योतिष सम्मान से सम्मानित

जयपुर @ जागरूक जनता। समाज, ज्योतिष और संबंधित विज्ञानों में योगदान के लिए वैदिक ज्योतिषी और KP विशेषज्ञ इंजीनियर कुलदीप शर्मा को 'प्राइड ऑफ़ ग्लोबल अवार्ड' के तहत 'देवभूमि नक्षत्र ज्योतिष सम्मान' से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान भीमताल में आयोजित भारतीय वैदिक संस्कृति, ज्योतिष-वास्तु और संबंधित विज्ञानों पर 21वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिया गया। यह पुरस्कार अखिल भारतीय ज्योतिष संस्थान संघ (AIFAS) के चेयरमैन और एस्ट्रोलॉजी इंटीग्रेटेड रिसर्च इंस्टीट्यूट (JIRI) के संस्थापक डॉ. अरुण बंसल और डॉ. राकेश डागर ने प्रदान किया। ज्योतिष के क्षेत्र में उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें यह गोल्ड मेडल सम्मान दिया गया।

जयपुर नगर निगम के नवनिर्वाचित पार्षद

सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र

वार्ड-88	भाजपा	शशि कुमारी	कुल मत 3718	श्रुति शर्मा	कांग्रेस	कुल मत 3191	अंतर : 527
वार्ड-92	भाजपा	शीला शर्मा	कुल मत 4147	उषा	कांग्रेस	कुल मत 2373	अंतर : 1774
वार्ड-96	कांग्रेस	वसीम चौहान	कुल मत 6319	अमित सारवान	भाजपा	कुल मत 4226	अंतर : 2093
वार्ड-100	भाजपा	कविता शर्मा	कुल मत 5035	विनिता	कांग्रेस	कुल मत 2190	अंतर : 2845
वार्ड-89	भाजपा	भवानी सिंह	कुल मत 2609	प्रकाश शर्मा	कांग्रेस	कुल मत 1940	अंतर : 1269
वार्ड-93	कांग्रेस	जितेंद्र शर्मा	कुल मत 1507	चंद्रप्रकाश	निर्दलीय	कुल मत 1202	अंतर : 305
वार्ड-97	भाजपा	शशिप्रकाश	कुल मत 4268	महेन्द्र सिंह	कांग्रेस	कुल मत 2888	अंतर : 1380
वार्ड-101	भाजपा	रवि शंकर	कुल मत 3707	दुर्गेश	कांग्रेस	कुल मत 3631	अंतर : 76
वार्ड-90	भाजपा	सरोज कंवर	कुल मत 6649	ममता	कांग्रेस	कुल मत 4441	अंतर : 2208
वार्ड-94	कांग्रेस	संतोष सूद	कुल मत 7302	सुनीता मेहरा	बीजेपी	कुल मत 4549	अंतर : 2753
वार्ड-98	केकुके	सुभाष चंद्र सिंघी	कुल मत 2707	राजकुमार शर्मा	कांग्रेस	कुल मत 2307	अंतर : 400
वार्ड-102	कांग्रेस	शीला गुर्जर	कुल मत 2470	आरती गुर्जर	भाजपा	कुल मत 2347	अंतर : 123
वार्ड-91	कांग्रेस	सीताराम मेहरा	कुल मत 4812	विनोद यादव	भाजपा	कुल मत 4244	अंतर : 568
वार्ड-95	कांग्रेस	मानवेंद्र सिंह	कुल मत 3141	अमित कुमार चौधरी	बीजेपी	कुल मत 2891	अंतर : 250
वार्ड-99	केकुके	सत्येन्द्र राठौड़	कुल मत 6044	मनीष पारीक,	भाजपा	कुल मत 5028	अंतर : 1016
वार्ड-103	कांग्रेस	मो. हनीफ	कुल मत 4645	रफीक खान,	निर्दलीय	कुल मत 3248	अंतर : 2297

किशनपोल विधानसभा क्षेत्र

वार्ड-104	भाजपा	ज्ञानदेव	कुल मत 3586	अब्दुल लतीफ	कांग्रेस	कुल मत 3181	अंतर : 405
वार्ड-107	भाजपा	अनुराधा	कुल मत 482	खुशबू शर्मा	कांग्रेस	कुल मत 2075	अंतर : 2007
वार्ड-110	कांग्रेस	सुनीता मेठी	कुल मत 4866	ज्योति खंडेलवाल	भाजपा	कुल मत 2160	अंतर : 2706
वार्ड-113	कांग्रेस	गजनफर अली	कुल मत 14666	अब्दुल वाहिद	निर्दलीय	कुल मत 4652	अंतर : 10014
वार्ड-105	कांग्रेस	मेहश तंबोली	कुल मत 5553	हंसराज चौहान,	भाजपा	कुल मत 3187	अंतर : 2366
वार्ड-108	निर्दलीय	संगीता शर्मा	कुल मत 3661	मेहरूनिशा	कांग्रेस	कुल मत 3008	अंतर : 653
वार्ड-111	भाजपा	संजय जायसवाल	कुल मत 4981	नरेश शर्मा	निर्दलीय	कुल मत 4436	अंतर : 545
वार्ड-114	कांग्रेस	मो.जकरिया	कुल मत 6377	नवीन शर्मा	भाजपा	कुल मत 4517	अंतर : 1860
वार्ड-106	भाजपा	चंद्रप्रकाश नामा	कुल मत 3476	जुगलकिशोर	कांग्रेस	कुल मत 2640	अंतर : 836
वार्ड-109	निर्दलीय	मो.रहीस खान	कुल मत 5150	मो.अयूब	कांग्रेस	कुल मत 4592	अंतर : 558
वार्ड-112	भाजपा	सुनील कोठारी	कुल मत 4306	आशीष	कांग्रेस	कुल मत 3400	अंतर : 906
वार्ड-115	भाजपा	सूरज गोड़ीवाल	कुल मत 3671	सुरेश बिंवाल,	कांग्रेस	कुल मत 2578	अंतर : 1093

मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र

वार्ड-73	भाजपा	जयश्री अग्रवाल	कुल मत 2045	ऊषा वाधवा	निर्दलीय	कुल मत 1793	अंतर : 252
वार्ड-77	भाजपा	प्रेमकुमार जैन	कुल मत 4271	किरण	कांग्रेस	कुल मत 3787	अंतर : 484
वार्ड-81	भाजपा	ब्रह्मकुमार	कुल मत 2830	राहुल तंवर	कांग्रेस	कुल मत 1218	अंतर : 1612
वार्ड-85	भाजपा	प्रेमचंद	कुल मत 4746	महेन्द्रपाल सिंह	कांग्रेस	कुल मत 3842	अंतर : 904
वार्ड-74	भाजपा	रामपाल जैन	कुल मत 3540	बाबूलाल चौधरी	निर्दलीय	कुल मत 2045	अंतर : 1495
वार्ड-78	भाजपा	श्याम सुंदर	कुल मत 4376	अभिषेक सैनी	कांग्रेस	कुल मत 1991	अंतर : 2385
वार्ड-82	कांग्रेस	महेश चंद यादव	कुल मत 2188	ममता यादव	भाजपा	कुल मत 1832	अंतर : 356
वार्ड-86	कांग्रेस	तारा बेनीवाल	कुल मत 4372	उषा टाटीवाल	भाजपा	कुल मत 3083	अंतर : 569
वार्ड-75	भाजपा	पूजा	कुल मत 2595	राजुला सिंह	कांग्रेस	कुल मत 1986	अंतर : 609
वार्ड-79	कांग्रेस	प्रवीण कुमार	कुल मत 3109	अनिल गोठवाल	भाजपा	कुल मत 2973	अंतर : 136
वार्ड-83	कांग्रेस	चंद्रप्रकाश	कुल मत 3020	नटवरलाल	भाजपा	कुल मत 2846	अंतर : 174
वार्ड-87	भाजपा	प्रतिभा शर्मा	कुल मत 3537	अर्चना शर्मा	कांग्रेस	कुल मत 3078	अंतर : 459
वार्ड-76	भाजपा	पुनीत कर्नावट	कुल मत 4596	प्रदीप जैन	कांग्रेस	कुल मत 2378	अंतर : 2218
वार्ड-80	निर्दलीय	रेणु चौधरी	कुल मत 3509	दलजीत कौर	भाजपा	कुल मत 2864	अंतर : 645
वार्ड-84	कांग्रेस	भरत कुमार	कुल मत 3012	हेमराज	भाजपा	कुल मत 2738	अंतर : 274

आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र

वार्ड-116	कांग्रेस	संजीदा उमरदराज	कुल मत 9046	लक्ष्मी देवी	भाजपा	कुल मत 3736	अंतर : 5310
वार्ड-121	भाजपा	नीरज अग्रवाल	कुल मत 3306	महेश ठाकुरिया	निर्दलीय	कुल मत 1169	अंतर : 2137
वार्ड-125	कांग्रेस	मंजू बानो	कुल मत 7561	लक्ष्मी देवी	भाजपा	कुल मत 857	अंतर : 6704
वार्ड-129	कांग्रेस	महेश सामरिया	कुल मत 7999	निखिल बसवाल,	भाजपा	कुल मत 2644	अंतर : 5355
वार्ड-117	कांग्रेस	संजीदा	कुल मत 9749	शबावजहां,	भाजपा	कुल मत 5512	अंतर : 4237
वार्ड-122	भाजपा	घनश्याम चंदलानी	कुल मत 3851	राजकुमार	कांग्रेस	कुल मत 2572	अंतर : 1279
वार्ड-126	कांग्रेस	सोफिया बानो	कुल मत 8719	रीना उमरवाल,	भाजपा	कुल मत 1566	अंतर : 7153
वार्ड-130	भाजपा	सूरज शर्मा	कुल मत 4207	राकेश मीणा	निर्दलीय	कुल मत 2819	अंतर : 1388
वार्ड-118	कांग्रेस	सुनीता मावर	कुल मत 3165	विकास कोठारी	भाजपा	कुल मत 2489	अंतर : 676
वार्ड-123	भाजपा	पूनम मेहता	कुल मत 4358	अंजू जायसवाल	कांग्रेस	कुल मत 1414	अंतर : 2944
वार्ड-127	कांग्रेस	बादल शर्मा	कुल मत 4004	आलोक खंडेलवाल	भाजपा	कुल मत 3952	अंतर : 52
वार्ड-131	भाजपा	कैलाशचंद मीणा	कुल मत 4379	पुष्पेन्द्र मीणा	कांग्रेस	कुल मत 2680	अंतर : 1699
वार्ड-119	कांग्रेस	इरफान कुरैशी	कुल मत 4916	अकबरदीन,	निर्दलीय	कुल मत 3835	अंतर : 1081
वार्ड-124	कांग्रेस	कांता देवी	कुल मत 4277	मनभरी	भाजपा	कुल मत 4272	अंतर : 5
वार्ड-128	निर्दलीय	मो. इशाक मंसूरी	कुल मत 8220	मो. सोहेल मंसूरी	कांग्रेस	कुल मत 3689	अंतर : 4531
वार्ड-132	कांग्रेस	दशरथ अटल	कुल मत 4322	रामजीलाल,	निर्दलीय	कुल मत 3969	अंतर : 353
वार्ड-120	भाजपा	श्यामसुंदर सैनी	कुल मत 4011	शीला सैनी	कांग्रेस	कुल मत 2923	अंतर : 1088

हवामहल विधानसभा क्षेत्र

वार्ड-133	भाजपा	सीमा पारीक	कुल मत 5044	गुडडी देवी,	कांग्रेस	कुल मत 3981	अंतर : 1063
वार्ड-137	कांग्रेस	सलमान मंसूरी	कुल मत 5653	असलम फारूखी	निर्दलीय	कुल मत 3673	अंतर : 1980
वार्ड-141	भाजपा	सतीश कुमार	कुल मत 5812	उषा	कांग्रेस	कुल मत 5203	अंतर : 609
वार्ड-145	भाजपा	वंदना जोशी	कुल मत 4947	अर्चना चतुर्वेदी	कांग्रेस	कुल मत 1911	अंतर : 3036
वार्ड-134	भाजपा	प्रकाश सैनी	कुल मत 5875	यशपाल गुर्जर,	कांग्रेस	कुल मत 5745	अंतर : 130
वार्ड-138	कांग्रेस	दीपिका शर्मा	कुल मत 3352	ममता	भाजपा	कुल मत 2550	अंतर : 802
वार्ड-142	भाजपा	भगवती	कुल मत 6734	मीना	कांग्रेस	कुल मत 4296	अंतर : 2438
वार्ड-146	निर्दलीय	फिरोज	कुल मत 5501	अफरोज	कांग्रेस	कुल मत 3526	अंतर : 1975
वार्ड-135	भाजपा	विमल अग्रवाल	कुल मत 7115	रवि शर्मा,	कांग्रेस	कुल मत 6675	अंतर : 440
वार्ड-139	भाजपा	रेणु खंडेलवाल	कुल मत 5080	गीतांजली	कांग्रेस	कुल मत 3556	अंतर : 1524
वार्ड-143	कांग्रेस	जायदा बानो	कुल मत 6957	सिमरन बानो	निर्दलीय	कुल मत 3125	अंतर : 3832
वार्ड-147	कांग्रेस	राशिद अली	कुल मत 6159	अब्दुल वहीद खान,	निर्दलीय	कुल मत 4651	अंतर : 000
वार्ड-136	निर्दलीय	जमीला बेगम	कुल मत 6922	शबनम फारूख	कांग्रेस	कुल मत 4809	अंतर : 2113
वार्ड-140	निर्दलीय	भूपेन्द्र मीणा	कुल मत 5312	रामकृष्ण शर्मा	भाजपा	कुल मत 4364	अंतर : 948
वार्ड-144	भाजपा	आशीष साहू	कुल मत 2670	उत्तम चंद	कांग्रेस	कुल मत 1632	अंतर : 1038

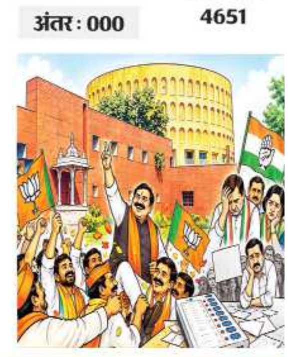

आमेर विधानसभा क्षेत्र

वार्ड-148	निर्दलीय	बरखा सैनी	कुल मत 6928	आशा सैनी	कांग्रेस	कुल मत 5420	अंतर : 1508
वार्ड-149	भाजपा	सीनू पारीक	कुल मत 7920	अंजली ब्रह्मभट्ट	कांग्रेस	कुल मत 4730	अंतर : 3190
वार्ड-150	कांग्रेस	हीरा देवी	कुल मत 3857	शालू मीणा	भाजपा	कुल मत 3431	अंतर : 426

राजस्थान पुलिस का नशा तस्करों पर बड़ा प्रहार

73.64 करोड़ की अवैध संपत्तियां कुर्क व सीज

राजस्थान में 68-एफ के तहत बड़ा एक्शन; 38 मामलों में वित्तीय जब्ती के आदेश जारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। महानिदेशक पुलिस राजस्थान श्री राजीव कुमार शर्मा के कड़े निर्देशों पर प्रदेश भर में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले कुख्यात अपराधियों और नशा माफियाओं के खिलाफ़ बड़ी और ऐतिहासिक कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। राजस्थान में एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ (सफेमा) के तहत चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत राज्य पुलिस ने नशा तस्करों द्वारा अवैध कमाई से खड़ी की गई कुल 73 करोड़ 64 लाख 64 हजार 948 रुपये की चल और अचल संपत्तियों को कुर्क, फ्रीज व सीज करने में सफलता हासिल की है। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने स्पष्ट किया है कि राज्य में नशे के काले कारोबार को जड़ से उखाड़ने के लिए तस्करों के वित्तीय नेटवर्क और उनकी आर्थिक रीढ़ को पूरी तरह से ध्वस्त करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

38 इस्तगासों पर कुर्की के आदेश स्वीकृत

एएनटीएफ के आईजी विकास कुमार ने बताया कि प्रदेश भर के विभिन्न जिलों में आदतन और कुख्यात तस्करों के खिलाफ कुल 63 इस्तगासे तैयार कर सक्षम प्राधिकारी को भेजे गए थे। पुलिस मुख्यालय के स्तर से की गई निरंतर मॉनिटरिंग के परिणामस्वरूप इनमें से 38 इस्तगासों पर सक्षम स्तर से कुर्की और जब्ती के अंतिम आदेश स्वीकृत किए जा चुके हैं, जबकि 25 मामलों में प्राधिकार स्तर पर विधिक प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

तस्करों के मकान से लेकर गाड़ियों और जमीन तक पर कार्रवाई

आईजी विकास कुमार ने बताया कि धारा 68-एफ के तहत पुलिस ने मादक पदार्थों के कारोबार से अर्जित अथवा उससे जुड़ी संदिग्ध संपत्तियों को चिन्हित कर मकान, निर्माणाधीन दुकान, कृषि भूमि, आवासीय भूखंड, कार, पिकअप, ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल सहित विभिन्न परिसंपत्तियों पर कार्रवाई की है।

करोड़ों की संपत्ति पर चला 68-एफ का शिकंजा

इस राज्य स्तरीय कार्रवाई के तहत चित्तौड़गढ़, झालावाड़, बारां, प्रतापगढ़, जोधपुर ग्रामीण, नागौर और बीकानेर सहित कई जिलों में तस्करों द्वारा अपराध की कमाई से बनाए गए आलीशान बंगलों, निर्माणाधीन परिसरों, कृषि भूमियों और लग्जरी गाड़ियों पर कड़ा शिकंजा कसा गया है।

चित्तौड़गढ़ जिला: 20.35 करोड़ की जब्ती

चित्तौड़गढ़ जिले में पुलिस ने 68-एफ के तहत सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए स्वीकृत इस्तगासों के तहत 20,35,40,783 रुपये की संपत्तियां सीज की हैं। इसमें गंगरार निवासी तस्कर राहुल बंजारा की 18,79,83,324 रुपये की संपत्ति, कमलेश गुर्जर की 46,44,876 रुपये, बाल किशन धाकड़ की 46,23,558 रुपये, रामेश्वर लाल अहीर की 29,58,481 रुपये, मोहम्मद उस्मान की 28,00,000 रुपये, रतनलाल जाट की 22,79,767 रुपये और सुरेश चंद्र जाट की 12,30,778 रुपये की चल-अचल संपत्तियों की कुर्की सक्षम स्तर से स्वीकृत की जा चुकी है।

बारां जिला: 18.48 करोड़ रुपये की संपत्तियां सीज

बारां जिले में नशा तस्करों द्वारा बनाई गई काली कमाई पर पुलिस का कड़ा शिकंजा कसा है। यहां राजाराम मीणा व रामगोपाल की 5,83,00,000 रुपये, दिनेश मीणा व सुरेंद्र की 5,83,00,000 रुपये, किशोर कुमार की 5,82,00,000 रुपये, बीरमचंद की 60,26,526 रुपये तथा विशाल सांसी व बल्लू सांसी की 40,30,000 रुपये की फ्रीज की गई संपत्तियों (इस्तगासे में अनुमानित मूल्य 1.10 करोड़ रुपये) के इस्तगासे सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृत हो चुके हैं।

झालावाड़ जिला: 12.65 करोड़ की अवैध संपत्ति पर प्रहार

झालावाड़ जिले में 68-एफ के तहत 9 अपराधियों की अवैध संपत्तियों की जब्ती स्वीकृत की गई है। इसमें मुख्य रूप से बबलू तंवर की 5,59,07,389 रुपये, नरेंद्र सिंह की 1,81,80,882 रुपये, मोहन लाल तंवर की 1,13,97,482 रुपये, सुगनचंद तंवर की 1,02,59,184 रुपये, गनी मोहम्मद की 86,16,440 रुपये, पांचूलाल मीणा की 70,94,487 रुपये, दिनेश सिंह की 66,41,424 रुपये, प्रभूलाल तंवर की 45,45,063 रुपये और रामलाल तंवर की 14,64,740 रुपये की संपत्तियों पर जब्ती के आदेश जारी हो चुके हैं।

प्रतापगढ़ जिला: स्वीकृत मामलों में 8.24 करोड़ के आलीशान बंगले व वाहन जब्त

प्रतापगढ़ जिले में सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृत इस्तगासों के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। इनमें शाहजेब उर्फ बल्ला का नवनिर्मित मकान, पोल्ट्री फॉर्म व गाड़ियां (2,10,00,000) रुपये, भुरालाल लबाना (1,65,00,000 रुपये), शेफुल्ला शेख (1,55,00,000 रुपये), असद इकबाल (75,00,000 रुपये), नारायण मीणा (70,00,000 रुपये), अकबर खान (50,00,000 रुपये), शाहरुख खान (43,31,365 रुपये), दिलावर खान (31,18,707 रुपये) और नऊम खान (20,00,000 रुपये) की संपत्तियों की कुर्की पर मुहर लग चुकी है।

नागौर, जोधपुर ग्रामीण व हनुमानगढ़: 3.05 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

नागौर जिले में आरोपी भोपालराम विश्नोई के दो मकानों, दुकान व वाहनों सहित कुल 1,14,09,908 रुपये की संपत्ति की कुर्की स्वीकृत हुई है। जोधपुर ग्रामीण में अनिल विश्नोई की 26 बीघा जमीन व 2 वाहनों कुल मूल्य 1,10,00,000 रुपये की जब्ती स्वीकृत की गई है। हनुमानगढ़ जिले में आरोपी स्वराज उर्फ शिवराज की 81,61,400 रुपये की संपत्ति सीज की गई है।

जालौर, उदयपुर, भीलवाड़ा व जोधपुर पूर्व: स्वीकृत जब्ती का विवरण

जालौर जिले में धोलाराम उर्फ धरिंद्र कुमार की 37,73,124 रुपये और राकेश कुमार विश्नोई की 13,09,800 रुपये की संपत्ति जब्ती स्वीकृत हुई है। उदयपुर जिले में विपिन गिरी गोस्वामी की 26,00,000 रुपये की संपत्ति, भीलवाड़ा के लाभचंद उर्फ लाभू धाकड़ की 50,00,000 रुपये मूल्य की भूमि व ट्रैक्टर तथा जोधपुर पूर्व के रमेश विश्नोई की 15,00,000 रुपये की स्कॉर्पियो गाड़ी की कुर्की के आदेश सक्षम स्तर से स्वीकृत हो चुके हैं।

अपराधियों को डीजीपी की सख्त चेतावनी

डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने पुलिस अधिकारियों को सख्त हिदायत दी है कि नशीले पदार्थों के कारोबार में लिप्त किसी भी अपराधी को बख्शा न जाए। उन्होंने कहा कि एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ के तहत यह सख्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने राज्य के नागरिकों से भी अपील की है कि वे अपने आस-पास नशे के अवैध कारोबार की सूचना बेझिझक पुलिस को दें, ताकि नशा मुक्त राजस्थान के संकल्प को पूर्ण रूप से साकार किया जा सके।

एएनटीएफ खंगाल रही है नशा तस्करों की कुंडली

आईजी विकास कुमार ने बताया कि राजस्थान में नशा तस्करों पर प्रभावी कार्रवाई करने की दृष्टि से एएनटीएफ द्वारा विशेष अभियान चलाते हुए नशा तस्करों की कुंडली को खंगाला जा रहा है और सूची तैयार कर संबंधित जिला पुलिस अधीक्षकों को कार्रवाई के निर्देश दिए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि व्यापारिक प्रकृति के प्रकरणों में भी प्रभावी कार्रवाई की जा रही है, दूसरी तरफ प्रत्येक जिले में नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए एसपी कार्यालय में विशेष शाखा का भी गठन किया जा रहा है।

लोकतंत्र के महापर्व में सेवा-संकल्प प्रहरी बने स्काउट-गाइड

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नवलगढ़। नगर निकाय चुनाव के लोकतांत्रिक महापर्व में बूथ संख्या 14 एवं 24 पर एसएन विद्यालय के स्काउट-गाइड रोहन सैनी, घनिष्ठ शर्मा, कुमकुम मिश्रा एवं आयुषी चौहान ने चुनाव ड्यूटी निभाते हुए बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं की सहायता कर सेवा, संवेदनशीलता, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा की शानदार मिसाल पेश की। चारों स्काउट एवं गाइड ने मतदान केंद्र पर जरूरतमंद मतदाताओं को आवश्यक सहयोग प्रदान कर लोकतंत्र की मजबूती में अपनी सार्थक भूमिका निभाई। उनके सेवाभाव की प्राचार्य रणजीत सिंह शेखावत एवं सीओ अरविंद भालोठिया ने सराहना की। स्काउट-गाइड प्रभारी एवं हिंदी व्याख्याता सुमन राठौड़ ने बताया कि चारों स्काउट एवं गाइड ने पूरी निष्ठा एवं सेवा-भाव से अपने दायित्व का निर्वहन किया।

कपासन में दीवान शाह साहब की दरगाह पर चांद रात में उमड़ा जनसैलाब

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

कपासन। माहे रबी उल आखिर की चांद रात पर प्रख्यात सूफी संत हजरत दीवान शाह साहब (र.अ.) की दरगाह शरीफ में जायरीनों की भारी भीड़ उमड़ी। दूर-दराज से पहुंचे अकीदतमंदों ने मजार-ए-मुबारक पर फूल व अगरबत्ती पेश कर अमन, चैन और भाईचारे की दुआ मांगी। दरगाह मेला ग्राउंड में करीब 400 अस्थायी दुकानें सजीं, जहां खिलौनों, व्यंजनों और पारंपरिक सामानों की जमकर खरीदारी हुई। भीड़ को देखते हुए दरगाह वक्फ कमेटी की ओर से सुरक्षा, पेयजल व रोशनी के पुख्ता इंतजाम किए गए। देर रात तक दरगाह परिसर में जायरीनों की आवाजाही रही।

मतदान अधिकार के साथ लोकतंत्र के प्रति जिम्मेदारी भी-डॉ. सेठिया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। जिला भाजपा के वरिष्ठ नेता, बूंदी जिला भाजपा संगठन प्रभारी एवं अर्बन बैंक चेयरमैन डॉ. आई.एम. सेठिया ने नटवर सिंह स्कूल स्थित वार्ड 10 के बूथ क्रमांक 16 पर पूर्व राज्य उपभोक्ता आयोग सदस्या एड. विमला सेठिया सहित परिवार के साथ मतदान किया। उन्होंने कहा कि मतदान अधिकार के साथ लोकतंत्र के प्रति दायित्व भी है। उन्होंने बताया कि जनचेतना मंच द्वारा वर्ष 2012 से मतदाताओं को राष्ट्रहित और स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मतदान के प्रति जागरूक करने का अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उंगली पर लगी स्याही जागरूक नागरिक होने और लोकतंत्र के प्रति जिम्मेदारी का प्रमाण है।

गणेश चतुर्थी पर योग एवं नैचुरोपैथी विद्यार्थियों ने किया गणेश अथर्वशीर्ष एवं घेरंड संहिता का सामूहिक पाठ

जोधपुर आयुर्वेद विश्वविद्यालय के योग एवं नेचुरोपैथी महाविद्यालय के छात्राओं ने किया सामूहिक पाठ

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर में कुलगुरु प्रोफेसर वैद्य गोविंद सहाय शुक्ल के मार्गदर्शन में यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ नैचुरोपैथी एंड यौगिक साइंसेज के छात्र-छात्राओं द्वारा गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में गणेश अथर्वशीर्ष एवं घेरंड संहिता का सामूहिक पाठ किया गया।कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने श्रद्धापूर्वक सामूहिक पाठ करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा, योग एवं आध्यात्मिक चिंतन से जुड़े शास्त्रीय ग्रंथों के महत्व को समझा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, योग परंपरा एवं शास्त्रीय ज्ञान के प्रति रुचि और जागरूकता को बढ़ावा देना रहा।प्राचार्य डॉ. चंद्रभान शर्मा ने बताया कि इस प्रकार के सामूहिक आध्यात्मिक एवं योग आधारित कार्यक्रम विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, योग परंपरा एवं शास्त्रीय ज्ञान के प्रति रुचि विकसित करने के साथ-साथ मानसिक शांति एवं सकारात्मकता को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कहा कि गणेश चतुर्थी के अवसर पर गणेश अथर्वशीर्ष एवं घेरंड संहिता का सामूहिक पाठ विद्यार्थियों के लिए ज्ञान, साधना एवं संस्कार का सुंदर समन्वय है।

इस अवसर पर डॉ. संजीव भार्गव, डॉ. कविता फोगावत, डॉ. आरती सुवालखा, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. दीक्षा जैन, श्री सतीश ठाकुर सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

किसान-वैज्ञानिक संवाद में मेढ़ो का किया वितरण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। केंद्रीय भेड़-ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर में भेड़ सुधार पर नेटवर्क परियोजना के तहत किसान-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पशुपालकों को मालपुरा नस्ल मेढ़े भी वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य मालपुरा भेड़पालकों को वैज्ञानिक भेड़पालन पर पोषण, स्वास्थ्य, प्रजनन और नस्ल सुधार की जानकारी उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर ने कहा कि भेड़पालन ग्रामीण परिवारों की आय का महत्वपूर्ण साधन है और वैज्ञानिक प्रबंधन, बेहतर पोषण और उचित प्रजनन तकनीकों से आर्थिक लाभ को बढ़ाया जा सकता है। मालपुरा परियोजना के प्रधान अन्वेषक डॉ. पीके मलिक, डॉ. एसएस मिश्रा, डॉ. राजीव कुमार और डॉ. केए सरवनन ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

पूर्व मंत्री अशोक चांदना की माता का निधन, गहलोत सहित कई नेताओं ने जताया दुख

बूंदी/जयपुर @ जागरूक जनता। हिंडोली विधायक एवं पूर्व खेल मंत्री अशोक चांदना की माता सोहनी देवी का जयपुर के एसएमएस अस्पताल में निधन हो गया। 72 वर्षीय सोहनी देवी के निधन की खबर मिलते ही चांदना परिवार और उनके समर्थकों में शोक की लहर दौड़ गई। सोहनी देवी के निधन की सूचना के बाद राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों का चांदना परिवार के प्रति संवेदना जताने का सिलसिला शुरू हो गया। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता जयपुर के एसएमएस अस्पताल पहुंचे और चांदना परिवार से मुलाकात कर ढांढस बंधाया।

नौ दिवसीय श्रीराम कथा भक्तिमय वातावरण में सम्पन्न

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। बिरला कॉरपोरेशन लिमिटेड की चंदेरिया इकाई में 5 से 13 सितंबर तक आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा का श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण में समापन हुआ। आयोजन में बड़ी संख्या में अधिकारियों, कर्मचारियों, उनके परिवारजनों तथा चित्तौड़गढ़ एवं चंदेरिया से आए श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। इस वर्ष श्रीराम कथा का विशेष केंद्र हनुमान जी के चरित्र एवं उनके जीवन-मूल्यों पर रहा। कथा के दौरान श्रद्धालुओं को हनुमान जी की अटूट भक्ति, शक्ति, समर्पण, साहस, विनम्रता, कर्तव्यनिष्ठा एवं निःस्वार्थ सेवा भावना के विभिन्न आयामों से परिचित होने का अवसर मिला। प्रख्यात कथावाचक पं आशीष मिश्र ने भगवान श्रीराम के आदर्शों तथा विशेष रूप से हनुमान के चरित्र का सरल, प्रभावशाली एवं भावपूर्ण शैली में वर्णन किया। उन्होंने कहा कि वास्तविक महानता केवल शक्ति प्राप्त करने में नहीं, बल्कि उस शक्ति का उपयोग सत्य, सेवा, समर्पण, विनम्रता एवं लोककल्याण के लिए करने में है। समापन अवसर पर इकाई प्रमुख जयंत कांडपाल ने कहा कि हनुमान जी का जीवन हमें कर्तव्यनिष्ठा, समर्पण एवं निःस्वार्थ सेवा की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि परिवार, समाज एवं कार्यस्थल पर अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा से निर्वहन करना तथा विपरीत परिस्थितियों में धैर्य एवं दृढ़ता बनाए रखना ही हनुमान जी के आदर्शों को जीवन में उतारने का वास्तविक माध्यम है।

हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने एमएफएल इंडिया लिमिटेड के साथ छह वर्ष का परिवहन अनुबंध

हिंदुस्तान जिंक की ग्रीन लॉजिस्टिक्स में मजबूत पहल, माइंस से स्मेल्टर तक परिवहन में 30 इलेक्ट्रिक ट्रक शामिल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। विश्व की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी और वैश्विक स्तर पर शीर्ष दस चांदी उत्पादकों में शामिल हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने एमएफएल इंडिया लिमिटेड के साथ छह वर्ष का परिवहन अनुबंध किया है। इस एमओयू के तहत कंपनी अपने खान से स्मेल्टर तक के परिवहन नेटवर्क में 30 इलेक्ट्रिक ट्रकों को शामिल करेगी। यह कदम कंपनी के परिवहन तंत्र को अधिक पर्यावरण.अनुकूल बनाने और कार्बन उत्सर्जन कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इस अनुबंध को आगे दो वर्ष के लिए बढ़ाया भी जा सकता है। इसके तहत विश्व की सबसे बड़ी भूमिगत ज़िंक खदानों में से एक राजस्थान स्थित रामपुरा आगूचा से जिंक और लेड कॉन्संट्रेट को स्मेल्टर तक पहुंचाने के लिए पारंपरिक डीजल ट्रकों की जगह चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक ट्रक उपयोग में लिए जाएंगे। एमएफएल इंडिया लिमिटेड इन ट्रकों के लिए विशेष ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित और संचालित करेगी, जिससे इस औद्योगिक मार्ग पर विश्वसनीय इलेक्ट्रिक परिवहन का मजबूत ढांचा तैयार होगा। इस अवसर पर हिंदुस्तान जिंक के सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक अमरेंदु प्रकाश ने कहा कि, भविष्य की खनन उद्योग की पहचान केवल उत्पादित धातुओं से नहीं, बल्कि उन्हें कितनी जिम्मेदारी और दक्षता के साथ उत्पादित और परिवहन किया जाता है, उससे होगी। कॉन्संट्रेट परिवहन के लिए इलेक्ट्रिक ट्रकों की तैनाती हमारी उसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल है। यह दिखाता है कि कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के प्रयास प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के साथ.साथ हमारे साझेदारों और स्थानीय समुदायों के विकास में भी सहायक हो सकते हैं। हिंदुस्तान जिंक नई तकनीकों जैसे ईवी और एलएनजी वाहनों में अधिक निवेश की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एमएफएल के साथ मिलकर स्वच्छ परिवहन की ओर चरणबद्ध बदलाव पर कार्य कर रही है। इस दौरान स्थानीय ड्राइवरों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी। एमएफएल इंडिया लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अनिल ठुकराल ने कहा कि, हमें हिंदुस्तान जिंक के साथ मिलकर स्वच्छ औद्योगिक लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा देने पर गर्व है।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

• सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता
सकारात्मक हिन्दी अखबार
बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

5 मतदान केन्द्रों पर पुनर्मतदान आज

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार नगर निगम जयपुर के वार्ड संख्या 09 के बूथ संख्या 111, वार्ड संख्या 18 के बूथ संख्या 235, वार्ड संख्या 25 के बूथ संख्या 343 तथा वार्ड संख्या 34 के बूथ संख्या 477 एवं 484 पर पुनर्मतदान (फ्रेश पोल) कराया जाएगा। इन मतदान केन्द्रों पर 16 सितम्बर, 2026 को प्रातः 7 बजे से सायं 6 बजे तक पुनर्मतदान होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पुनर्मतदान के लिए संबंधित मतदान केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। पुनर्मतदान के दौरान पूर्व मतदान में लगाई गई अमिट स्याही के निशान की उपेक्षा की जाएगी तथा मतदाता के बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली पर अमिट स्याही लगाई जाएगी। पुनर्मतदान में नए मतपत्रों का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि संबंधित मतदान केन्द्रों पर पुनर्मतदान सम्पन्न होने के बाद 17 सितम्बर, 2026 को प्रातः 8 बजे से मतगणना प्रारम्भ की जाएगी।

जयपुर में पांच, जोधपुर-कोटा में एक-एक और सुकेत में एक बूथ

पुनर्मतदान के लिए जयपुर नगर निगम के वार्ड 9 के बूथ 111, वार्ड 18 के बूथ 235, वार्ड 25 के बूथ 343 इसके साथ वार्ड 34 के बूथ 477 और 484 शामिल हैं. जोधपुर नगर निगम के वार्ड 50 के बूथ 338 और कोटा नगर निगम के वार्ड 87 के बूथ 99, वार्ड 44 के बूथ 448 तथा वार्ड 11 के बूथ 576 पर भी दोबारा मतदान होगा. सुकेत नगरपालिका के वार्ड 4 के बूथ 5 पर भी पुनर्मतदान कराया जाएगा।

305 निकायों में अध्यक्ष चुनाव का रास्ता साफ

वहीं, दूसरी ओर जयपुर, जोधपुर, कोटा और सुकेत को छोड़कर शेष 305 नगरीय निकायों के अध्यक्ष पद के चुनाव की लोक सूचना राज्य निर्वाचन आयोग ने जारी कर दी है. इन निकायों में अध्यक्ष पद के चुनाव 21 और 22 सितंबर को पूर्व निर्धारित कार्यर्‍ म के अनुसार होंगे. चार निकायों में पुनर्मतदान और 17 सितंबर को मतगणना पूरी होने के बाद वहां भी अध्यक्ष पद के चुनाव की प्रर्‍ि या शुरू होगी. यानी 17 सितंबर के बाद प्रदेश के सभी 309 नगरीय निकायों में बोर्ड गठन की तस्वीर पूरी तरह साफ होने लगेगी. पुनर्मतदान में केवल संबंधित मतदान केंद्र की मतदाता सूची में दर्ज मतदाता ही वोट डाल सकेंगे।

निकाय चुनाव में भाजपा के जनसंपर्क मॉडल को प्रदेश की जनता ने किया स्वीकार

भाजपा की प्रचंड जीत हमारे कार्यकर्ताओं के साथ प्रदेश की जनता को समर्पित-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नगर निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश की जनता और भाजपा कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि निकाय चुनाव में भाजपा को मिली ऐतिहासिक विजय राजस्थान की जनता के विश्वास की जीत है। यह जीत उन सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं को समर्पित है, जिन्होंने लगातार समय देकर और कठिन परिश्रम कर भाजपा को विजय दिलाने का कार्य किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले ढाई वर्षों में राजस्थान में हुए ऐतिहासिक कार्यों पर प्रदेश की जनता ने अपनी मुहर लगाई है। राजस्थान की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी के 'विकसित भारत-विकसित राजस्थान' के संकल्प को स्वीकार करते हुए भाजपा के पक्ष में अपना विश्वास व्यक्त किया है। प्रदेश के युवाओं ने भी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और विजन पर फिर से भरोसा जताया है। यह जीत राजस्थान ही नहीं, बल्कि देश के युवाओं के उस विश्वास को भी दर्शाती है, जो प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने में सहभागी बनना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी निकायों तक विकास कार्यों को प्राथमिकता दी है। सरकार की नीति के अनुरूप 'ग्राम विकास और शहर विकास' के कार्यों को धरातल तक पहुंचाने का काम किया गया है। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने भी जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनने और उनके सुख-दुख में सहभागी बनने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने ढाई वर्ष पहले जो संकल्प लिए थे, उनमें से 78 प्रतिशत संकल्प पूरे किए जा चुके हैं। नगरीय विकास के लिए दिए गए संकल्प पत्र में जनता के हित, विकास, गरीब कल्याण, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठजनों और आमजन से जुड़े जो वादे किए गए हैं, उन्हें भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान की जनता ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि कोई राजनीतिक दल जनता से जुड़कर उनके कार्यों और संवेदनाओं को समझते हुए उनके हर सुख-दुख में सहभागी बन सकता है, तो वह 'भारतीय जनता पार्टी' है। भाजपा का जनसंपर्क मॉडल, आमजन की बात सुनने और उनकी शिकायतों का समाधान करने की कार्यप्रणाली जनता ने स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि सरकार के जनसुनवाई और समस्या समाधान के प्रयासों की 84 प्रतिशत सफलता दर भी जनता के विश्वास को मजबूत करती है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह विजय राजस्थान की जनता और भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को समर्पित है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत-विकसित राजस्थान के संकल्प की जीत, युवाओं के विश्वास की जीत और कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम की जीत है। उन्होंने कहा कि ग्राम विकास, वार्ड विकास और निकाय विकास के जिस मॉडल को प्रदेश सरकार आगे बढ़ा रही है, उस पर जनता ने अपनी मुहर लगाई है और आने वाले समय में पंचायत चुनावों में भी जनता भाजपा के विकास मॉडल पर अपना विश्वास व्यक्त करेगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने भी निकाय चुनाव में भाजपा की शानदार जीत के लिए प्रदेश की जनता और मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस विजय में भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता का महत्वपूर्ण योगदान है। कार्यकर्ताओं ने मतदाताओं को जागरूक करने और पार्टी के पक्ष में वातावरण बनाने के लिए अथक परिश्रम किया। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को इस ऐतिहासिक विजय के लिए हार्दिक बधाई एवं धन्यवाद दिया। भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी, संगठन महामंत्री अजेय सहित प्रदेश पदाधिकारियों का भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर जीत का उत्सव मनाया तथा एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर विजय की बधाई दी। इस दौरान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, डॉ अरूण चतुर्वेदी, सांसद मंजू शर्मा, विधायक कालीचरण सराफ, बाल मुकुंद आचार्य, भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, कैलाश मेघवाल, प्रदेश मंत्री डॉ अपूर्वा सिंह, एकता अग्रवाल, कार्यालय सचिव मुकेश पारीक, मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ, सोशल मीडिया प्रभारी हीरेंद्र कौशिक, आईटी प्रभारी अविनाश जोशी सहित प्रदेश पदाधिकारी,कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

78 पार्षद जीते, अब मेयर की कुर्सी पर 'चेहरों' का खेल शुरू

जयपुर में भाजपा ने पार किया बहुमत का आंकड़ा

- ज्योति खंडेलवाल की हार सबसे बड़ा उलटफेर, अपने किसी बूथ पर नहीं मिली बढ़त
- **नतीजों ने बदला समीकरणः** कोठारी-कर्णावट-भार्गव समेत कई विजेता दावेदारों की कतार में
- महिला दावेदारों में प्रतिभा शर्मा और अनुराधा माहेश्वरी के नाम भी चर्चा में, भाजपा में शुरू हुआ मंथन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। नगर निगम चुनाव के नतीजों के साथ जयपुर में भाजपा का बोर्ड बनने की तस्वीर साफ हो गई है। भाजपा 78 वार्डों में जीत के साथ बहुमत के आंकड़े को पार कर चुकी है, ऐसे में अब सियासी निगाहें बोर्ड गठन के अगले चरण पर टिक गई हैं। असली सवाल है कि जयपुर का अगला मेयर कौन होगा? चुनाव से पहले जिन चेहरों को मेयर की रेस में आगे माना जा रहा था, परिणाम आने के बाद उनमें से कुछ की दावेदारी और मजबूत हुई है, तो कुछ बड़े नामों को हार ने दौड़ से बाहर कर दिया है। उपमहापौर की दौड़ में महिला चेहरें के रूप में वार्ड 107 से भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराधा माहेश्वरी का नाम शामिल हैं।

जीते चेहरे, बढ़ी मेयर की दावेदारी

1. सुनील कोठारी : जीत के साथ सबसे आगे

वार्ड 112 से भाजपा के सुनील कोठारी ने कांग्रेस के आशीष को 905 वोटों से हराया। कोठारी चुनाव से पहले ही मेयर पद के प्रमुख दावेदारों में शामिल थे। वे भाजपा के पूर्व शहर अध्यक्ष रह चुके हैं और संगठन में प्रदेश उपाध्यक्ष समेत कई जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। चुनाव पूर्व ही उन्हें मजबूत दावेदार बताया गया था।

चेहरा प्रोफाइलः सुनील कोठारी
- भाजपा के पूर्व जयपुर शहर अध्यक्ष।
- संगठन में प्रदेश उपाध्यक्ष सहित विभिन्न जिम्मेदारियां।
- व्यावसायिक रूप से जेम्स एंड ज्वेलरी क्षेत्र से जुड़े।
- चुनाव से पहले मेयर पद के सबसे मजबूत नामों में शुमार।
- अब वार्ड 112 से जीत ने दावेदारी को नई ताकत दी।

2. पुनीत कर्णावट : 2247 वोटों की जीत का बड़ा संदेश

वार्ड 76 से भाजपा के पुनीत कर्णावत ने कांग्रेस के प्रदीप जैन को 2247 वोटों से शिकस्त दी। पूर्व उपमहापौर रहे कर्णावत को निगम के कामकाज और सदन की राजनीति का अनुभव है। उनकी बड़ी जीत ने उन्हें फिर से मेयर पद की चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

चेहरा प्रोफाइलः पुनीत कर्णावट
- पूर्व पार्षद।
- जयपुर नगर निगम के पूर्व उपमहापौर।
- निगम की राजनीति और सदन के कामकाज का अनुभव।
- वार्ड 76 में बड़े अंतर से जीत।
- मेयर पद के लिए अनुभव उनका सबसे बड़ा प्लस प्वाइंट।

3. शैलेंद्र भार्गव : कम अंतर, लेकिन महत्वपूर्ण जीत

वार्ड 43 में शैलेंद्र भार्गव ने कांग्रेस के आशीष शर्मा को 262 वोटों से हराया। जीत का अंतर भले छोटा रहा, लेकिन कठिन मुकाबले में सीट निकालने से उनका नाम संभावित दावेदारों की सूची में बना हुआ है। हालांकि उनकी वास्तविक ताकत अब भाजपा के भीतर पार्षदों और संगठन के बीच समर्थन पर निर्भर करेगी।

4. सुभाष चंद्र सिंघी : अनुभव के साथ जीत

वार्ड 98 से सुभाष चंद्र सिंघी ने कांग्रेस के राजकुमार शर्मा को करीब 400 वोटों से हराया। जीत के बाद उनका नाम भी मेयर पद के संभावित दावेदारों में चर्चा में आया है। हालांकि कोठारी और कर्णावत की तुलना में उन्हें समर्थन का व्यापक समीकरण बनाना होगा।

5. विमल अग्रवाल : जीत से रेस में एंट्री

वार्ड 135 से विमल अग्रवाल ने कांग्रेस के रविकुमार शर्मा को करीब 400 वोटों से हराया। सामान्य सीट पर जीत हासिल करने के बाद उनका नाम भी संभावित विकल्पों में जोड़ा जा रहा है।

6. महिला चेहरों में प्रतिभा शर्मा और अनुराधा माहेश्वरी

वार्ड 87 से प्रतिभा शर्मा ने कांग्रेस की अर्चना शर्मा को 459 वोटों से हराया। चुनाव प्रचार के दौरान उनके समर्थन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और जयपुर शहर अध्यक्ष अमित गोयल ने रोड शो भी किया था।

वहीं वार्ड 107 से भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष अनुराधा माहेश्वरी ने जीत दर्ज की है। पार्टी संगठन में उनकी सक्रिय भूमिका और महिला मोर्चे में जिम्मेदारियों को देखते हुए महिला नेतृत्व के विकल्प के तौर पर उनका नाम भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

चेहरा प्रोफाइलः अनुराधा माहेश्वरी
- भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष।
- जयपुर शहर संगठन में सक्रिय।
- पहले जयपुर शहर महिला मोर्चा की जिम्मेदारी भी संभाल चुकी हैं।
- संगठनात्मक अनुभव महिला मेयर के विकल्प में अहम फैक्टर।

जातिगत प्रतिनिधित्व में वैश्य और गुर्जर आगे

जयपुर के महापौर को जातिगत प्रतिनिधित्व के हिसाब से देखा जाए तो यहां वैश्य और गुर्जर समाज का वर्चस्व रहा है। जयपुर में कुल 13 महापौर बने हैं। इनमें 4 बार वैश्य और 4 बार गुर्जर नेता को महापौर बनने का मौका मिला। ब्राह्मण समाज को दो बार, जबकि पंजाबी, यादव और अनुसूचित जाति वर्ग के नेता को एक एक बार महापौर बनने का अवसर मिला।

हारने वाले चेहरेः मेयर की रेस से बाहर

ज्योति खंडेलवाल : सबसे बड़ा उलटफेर

भाजपा के लिए सबसे बड़ा झटका वार्ड 110 में लगा, जहां पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल कांग्रेस की सुनीता मेठी से हार गईं।

खास बात यह रही कि खंडेलवाल अपने किसी भी बूथ पर बढ़त नहीं बना सकीं। सुनीता मेठी पूर्व पार्षद अरविंद मेठी की पत्नी हैं। ज्योति की हार इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि चुनाव से पहले उन्हें मेयर पद का मजबूत दावेदार माना जा रहा था। भाजपा ने उन्हें वार्ड 110 से टिकट देकर बड़ा राजनीतिक प्रयोग किया था।

चेहरा प्रोफाइलः ज्योति खंडेलवाल
- 2005 में पहली बार पार्षद चुनी गईं।
- 2009 में सीधे चुनाव में जयपुर की पहली महिला महापौर बनीं।
- 2009 से 2014 तक महापौर रहीं।
- 2019 में कांग्रेस के टिकट पर जयपुर लोकसभा चुनाव लड़ा।
- अक्टूबर 2023 में कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुईं।
- 2026 में भाजपा ने वार्ड 110 से मैदान में उतारा।
- हार के साथ दोबारा मेयर बनने की संभावना समाप्त।

विमल कटियार : भाजपा के टिकट पर हार

वार्ड 35 में भाजपा प्रत्याशी विमल कटियार को निर्दलीय अमरचंद्र कुमावत ने हरा दिया। भाजपा के बहुमत के बावजूद पार्टी प्रत्याशी की हार ने स्थानीय समीकरण और बागियों की ताकत का संकेत दिया है।

मुकेश शर्मा (काका) : सांगानेर की चर्चित सीट पर झटका

वार्ड 49 में भाजपा के मुकेश शर्मा (काका) को कांग्रेस के धर्मसिंह सिंघानिया ने 482 वोटों से हराया। सांगानेर क्षेत्र की इस सीट का परिणाम भाजपा के लिए खासा महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अपने किले बचाने में कामयाब रहे विधायक, पार्टी को दिलाई बढ़त

जयपुर। जयपुर नगर निगम क्षेत्र में आने वाले दस विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले विधायकों का प्रदर्शन अपनी पार्टियों के लिए आमतौर पर ठीक रहा है। इस मामले में सबसे अच्छा प्रदर्शन स्वयं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का रहा है, जिन्होंने अपने क्षेत्रों से भाजपा को सबसे अच्छी बढ़त दिलाई है। हालांकि बगरु के भाजपा और किशनपोल से कांग्रेस विधायक इस मामले में कुछ कमजोर साबित हुए हैं।

विधानसभावार निगम चुनाव में वार्डों की जीत की स्थिति

विद्याधरनगर

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के इस विधानसभा क्षेत्र में कुल 22 वार्ड है, जिनमें से दो के परिणाम होल्ड रखे गए हैं। शेष में 12 में भाजपा, 4 में कांग्रेस और 4 में निर्दलीयों ने बाजी मारी है। निगम चुनाव में भाजपा को मिली सीटों के लिहाज से यह सबसे अच्छे विधानसभा क्षेत्रों में रहा है। माना जा रहा है कि उपमुख्यमंत्री दियाकुमारी द्वारा कराए गए विकास कार्यों, खासकर सीकर रोड पर पानी के भराव की समस्या को दूर किए जाने को जनता ने सराहा है।

झोटवाड़ा

चुनाव से पहले इस विधानसभा क्षेत्र की सड़कों पर जलभराव को लेकर कई रील्स वायरल की गई थी और भाजपा के लिए बहुत सकारात्मक नेरेटिव बनता नहीं दिख रहा था, इसके बावजूद कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ इस वार्ड की 15 में से 7 सीटें भाजपा को दिलाने में कामयाब रहे। वहीं कांग्रेस और निर्दलीय तीन-तीन वार्डों में जीत पाए हैं। दो वार्डों के परिणाम होल्ड पर हैं।

सांगानेर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा अपने विधानसभा क्षेत्र में विधानसभ चुनाव का वही जादू दोहराने में बहुत हद तक सफल रहे, जिसकी बदौलत उन्होंने यहां से जीत हासिल की थी। सांगानेर में चल रहे विकास कार्यों की बदौलत भाजपा इस क्षेत्र के 21 में 15 वार्ड जीतने में कामयाब रही। वहीं कांग्रेस को सिर्फ छह वार्डों की जीत पर संतोष करना पडा। इस तरह जयपुर नगर निगम चुनाव में भाजपा को सबसे बड़ी जीत सांगानेर से हासिल हुई और इस चुनाव ने एक बार फिर सांगनेर को भाजपा का गढ़ साबित कर दिया।

सिविल लाइंस

अपने शालीन व्यवहार और जनता के बीच किए गए कामों के लिए पहचाने जाने वाले भाजपा विधायक गोपाल शर्मा शहर के सबसे वीआईपी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह वह क्षेत्र भी है, जहां वोटिंग प्रतिशत और क्षेत्रों के मुकाबले कम रहा। हालांकि कम वोटिंग प्रतिशत के बाजवूद यहां भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला बराबरी पर छूटा और दोनो ने आठ-आठ वार्डों में जीत हासिल की।

बगरू

जयपुर शहर की मुख्य परिधि से लगभग बाहर के क्षेत्रों वाले इस विधानसभाा क्षेत्र में 14 वार्ड आते हैं। भाजपा विधायक कैलाश वर्मा अपने क्षेत्र में भाजपा को बढ़त तो नहीं दिला सके, लेकिन कांग्रेस से बहुत पीछे भी नहीं रहे। यहां भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला लगभग बराबरी पर छूटा। भाजपा ने यहां सात और कांगेस ने आठ वार्डों में जीत हासिल की।

मालवीय नगर

भाजपा के सबसे वरिष्ठ विधायक कालीचरण सराफ के इस विधानसभा क्षेत्र को भाजपा का गढ़ माना जाता है, क्योंकि खुद सराफ यहां से लगातार जीत हासिल कर रहे हैं। यहां भाजपा सात वार्ड जीत कर बढ़त में तो रही, लेकिन निर्दलियों के कारण यह बढ़त बहुत बड़ी नहीं बन पाई। यहां कांग्रेस ने पांच और निर्दलियों ने तीन वार्डों में जीत हासिल की है। अब मेयर चुनाव में निर्दलीय किस खाते में जाएंगे। यह समय बताएगा।

किशनपोल

शहर के परकोटा क्षेत्र के इस विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कांग्रेस विधायक अमीन कागजी करते हैं। मुस्लिम बाहुल्य होने के बावजूद इस क्षेत्र की जनता ने कांग्रेस को उम्मीद के मुताबिक समर्थन नहीं दिया, जिसका असर परिणामों में भी देखने को मिला। किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में निगम के 12 वार्ड आते हैं। इनमें से 6 भाजपा, 4 कांग्रेस और 2 वार्डों पर निर्दलीयों ने बाजी मारी है।

आदर्श नगर

आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान में कांग्रेस से रफीक खान विधायक हैं। यह भी मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र है और यहां जनता ने कांग्रेस को अच्छी बढ़त दी है। इन विधानसभा क्षेत्र में नगर निगम के 17 वार्ड शामिल है। इनमें से 10 पर कांग्रेस, 6 भाजपा और 1 वार्ड में निर्दलीय ने बाजी मारी है।

हवामहल

हवामहल विधानसभा में वर्तमान में भाजपा के बालमुकुंदाचार्य विधायक हैं। आमजन के बीच विधायक के काम और उनका व्यवहार खासा चर्चा में रहता है। हवामहल विधानसभा में निगम के 15 वार्ड आते हैं, इनमें वार्ड 133 से 147 शामिल हैं। 15 वार्डों में से 8 पर भाजपा, 4 कांग्रेस और 3 पर निर्दलीयों ने बाजी मारी।

आमेर

आमेर विधानसभा में वर्तमान में कांग्रेस से प्रशांत शर्मा विधायक हैं। हालांकि आमेर में नगर निगम का एक छोटा का क्षेत्र ही आता है। इस विधानसभा में निगम के तीन वार्ड आते हैं। यहां पर एक सीट भाजपा, एक कांग्रेस और एक निर्दलीय के खाते में गई है।

संपादक : **ज्ञानेन्द्र मिश्रा** मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। **संपादकीय कार्यालय** : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- **चेतेन्द्र कुमार मिश्रा**

अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस पर "भारतीय युवा संसद" का 31 वाँ अधिवेशन आयोजित

सबके लिए न्याय, शांति और मानवाधिकारों के प्रति समर्पण ही लोकतंत्र का बड़ा आधार- राज्यपाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

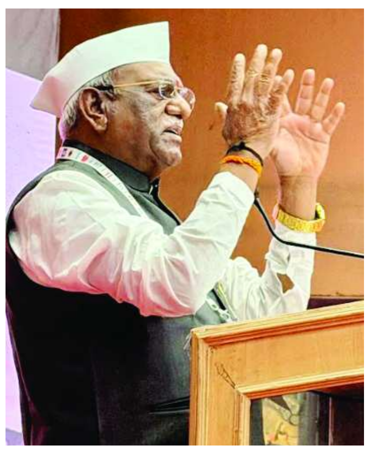

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सबके लिए न्याय, शांति, विकास और मानवाधिकारों के प्रति समर्पित होकर कार्य करना ही लोकतंत्र का सबसे बड़ा आधार है। लोकतंत्र का अर्थ ही है, विकास में सभी नागरिकों की समान भागीदारी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र संवाद से सम्पन्न होता है। संवाद से सुसंवाद और सुसंवाद से मैत्री के रास्ते निकलते हैं। उन्होंने भारत को विश्व का सबसे युवा राष्ट्र बताते हुए कहा कि युवा ही भारत की शान है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में युवाओं को सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

बागडे इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान में आयोजित "भारतीय युवा संसद" कार्यक्रम में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करना है तो हमें न्याय नीति से चलना होगा। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे अच्छी बातों को आत्मसात करें, यही जीवन भर काम आएगी। अच्छी बातों को ग्रहण करने से विवेक जागृत होता है। विवेक से ही समाज में प्रतिष्ठा बनती है।

राज्यपाल ने कहा कि अंग्रेजों ने 1921 में दिल्ली में 80 लाख व्यय कर हमारे पुराने संसद भवन का निर्माण प्रारंभ किया और छह साल में इसे पूरा किया। इससे पहले अंग्रेज राइटर हाउस, कलकता से सारे आदेश निकलते थे। यह निर्माण सौ साल को ध्यान में रखते हुए किया गया। इसीलिए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सुनियोजित रूप में विचार कर देश के लिए नए संसद भवन का निर्माण करवाया। संसद केवल निर्मित भवन नहीं लोकतंत्र का पवित्र मंदिर है। संविधान वहां का देवता है। यह भावना जिसके मन में रहेगी वह कभी संसद में असंसदीय भाषा का प्रयोग नहीं करेगा। उन्होंने युवाओं को संसदीय लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में कार्य करने पर जोर दिया। बागडे ने कहा कि लोकतंत्र में विश्वास अर्जित करना जरूरी है। विश्वास के साथ लोकतंत्र में समझदारी होना जरूरी है। समझदारी ही सबसे बड़ा सदगुण है। उन्होंने युवाओं को इन सबको आत्मसात करने का आह्वान किया।

इससे पहले गुजरात सरकार में राज्य मंत्री रिवाबा जाडेजा ने लोकतंत्र में साझा समझ विकसित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश को युवा धन की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसी से देश तेजी से आगे बढ़ेगा।

सचिवालय में उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में बैठक

प्रदेश भर में 25 से आंगनबाड़ियों में होगा आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में आज सचिवालय में महिला एवं बाल विकास विभाग की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का आयोजन 25 सितंबर से 7 अक्टूबर तक प्रदेश की सभी आंगनबाड़ियों में किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा वर्कर्स और सहयोगिनियों का सम्मान किया जाएगा। वहीं बच्चों के मनोरंजन और रचनात्मक विकास को ध्यान में रखते हुए पेंटिंग, खेलकूद सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

बैठक में बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य को लेकर भी संवाद आयोजित करने पर चर्चा हुई। बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले लोगों को भी कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा, ताकि उनके अनुभवों और प्रयासों का लाभ आमजन तक पहुंचाया जा सके।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कार्यक्रम की तैयारियों और आयोजन को लेकर अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। विभाग की ओर से प्रत्येक आंगनबाड़ी की सूची उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही महिला मोर्चा के साथ समन्वय, कार्यक्रम की तिथि निर्धारित करने और समय-समय पर बैठक आयोजित कर फीडबैक लेने के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शुभकामना संदेश, बच्चो द्वारा तैयार की गई पुस्तक तथा बच्ची के उज्ज्वल भविष्य को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रदर्शित विचारों को भी प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र तक पहुंचाया जाएगा।

कार्यक्रम की महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मॉनिटरिंग की जाएगी, ताकि सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर कार्यक्रम का प्रभावी और सफल आयोजन सुनिश्चित किया जा सके। मीटिंग में महिला बाल विकास विभाग राज्यमंत्री मंजू बाघमार, सचिव पूनम जी और निदेशक वासुदेव मालावत मौजूद रहे।

मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार की राजमाता विजयराज कुमारी मेवाड़ का 83 वर्ष की उम्र में निधन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

उदयपुर। उदयपुर के पूर्व राजपरिवार से एक दुखद खबर है। मेवाड़ पूर्व राजपरिवार की राजमाता विजयराज कुमारी मेवाड़ का सोमवार, 14 सितंबर की देर रात लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। वे 83 वर्ष की थीं और पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थीं। उनके महाप्रयाण की खबर मिलते ही पूरे उदयपुर, मेवाड़ और मारवाड़ अंचल में शोक की लहर दौड़ गई है। देश-विदेश से जुड़े उनके चाहने वाले, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और राजनीतिक हस्तियां लगातार शोक व्यक्त कर रहे हैं। राजमाता अपने मिलनसार स्वभाव, परोपकारी कार्यों और शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए हमेशा याद की जाती रहेंगी। उनके निधन से एक युग का अंत हो गया है, जिसने उदयपुर की सांस्कृतिक पहचान को गहराई से प्रभावित किया था।

राजमाता विजयराज कुमारी मेवाड़ का संबंध देश के अत्यंत प्रतिष्ठित और प्राचीन राजपरिवारों में से रहा है। वे मूल रूप से गुजरात के कच्छ राजपरिवार से ताल्लुक रखती थीं। वे कच्छ के महाराज फतह सिंह की छोटी पुत्री और कच्छ के महाराव की पौत्री थीं।

दीपावली के अवसर पर आतिशबाजी के अस्थाई अनुज्ञापत्र के लिए 25 तक आवेदन आमंत्रित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट संदेश नायक ने बताया कि इस वर्ष दीपावली के अवसर पर विस्फोटक (आतिशबाजी) के अस्थाई अनुज्ञापत्र दिनांक 12 अक्टूबर से 11 नवम्बर तक जारी किए जाएंगे। इसके लिए विस्फोटक नियम, 2008 के अन्तर्गत आवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन दिनांक 25 सितम्बर तक आमंत्रित किए गए हैं। आवेदकों को सूचित किया गया है कि वे अपना आवेदन पत्र सुस्पष्ट रूप से भरकर अपने थाना क्षेत्र के संबंधित उपखण्ड मजिस्ट्रेट के कार्यालय में दिनांक 25 सितम्बर 2026 तक प्रस्तुत करें। आवेदन पत्र के साथ प्रस्तावित स्थल का ब्ल्यू प्रिंट मानचित्र की 5 प्रतियां, जिसमें आसपास के व्यावसायिक स्थलों का स्पष्ट रूप से अंकन हो, शपथ पत्र, स्वामित्व के कागजात/किरायानामा की प्रमाणित फोटोकॉपी तथा स्वयं के पासपोर्ट साइज की 2 फोटो संलग्न करना आवश्यक होगा। निर्धारित तिथि 25 सितम्बर 2026 के पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। जारी सूचना के अनुसार अस्थाई अनुज्ञापत्र के लिए आवेदन थाना शाहपुरा, मनोहरपुर, अमरसर, जमवारामगढ़, आंधी, चन्दवाजी, रायसर, नरैना, मांजी रेनवाल, माधोराजपुरा, सांभर, फुलेरा, जोबनेर, किशनगढ़-रेनवाल, गोविन्दगढ़, सामोद, कालाडेरा, दूदू, मौजमाबाद एवं फागी थाना क्षेत्रों के लिए आमंत्रित किए गए हैं।

वार्ड-9 में बीजेपी को बड़ी मजबूती

निर्दलीय प्रत्याशी कविता शर्मा और संगीता बढ़ारा ने भाजपा प्रत्याशी मंजू अग्रवाल को दिया समर्थन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड-9 में राजनीतिक समीकरणों में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। वार्ड-9 से निर्दलीय प्रत्याशी कविता शर्मा और संगीता बढ़ारा ने भारतीय जनता पार्टी को अपना समर्थन देने का ऐलान किया है। दोनों निर्दलीय प्रत्याशियों ने वार्ड-9 से भाजपा की प्रत्याशी मंजू अग्रवाल के समर्थन में आने की घोषणा की। उनके समर्थन से भाजपा प्रत्याशी को चुनावी मैदान में मजबूती मिलेगी। वहीं, वार्ड-9 में पुनर्मतदान से पहले निर्दलीय प्रत्याशियों का भाजपा के समर्थन में आना चुनावी समीकरणों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गौ-संवर्धन ही पर्यावरण संरक्षण जलवायु परिवर्तन संकट का एकमात्र सनातन समाधान-मिश्र

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। गौमाता सेवक समिति परिवार एवं सभी गौसेवकों गौभक्तों ने भाद्रपद मास गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर 64 वां गोसेवा महामहोत्सव श्री गोपाला गौधाम (गौशाला) प्रतापपुरा जालसू में गौमाता संकीर्तन एवं भजनों के साथ प्रथम पूज्य विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश का मानस पुष्पाभिषेक करते हुए सैंकड़ों गोभक्तो गोसेवकों एवं श्रद्धालुओं के साथ अपार हर्षोल्लास एवं भावविभोर होकर मनाया गया। शुरुआत में गोपुत्र ज्योतिर्विद पंडित मानस संजय मिश्र ने सूर्य देव की साक्षी में भगवान् श्री गणेश चतुर्थी सींजारा पूजन, विष्णु राधाकृष्ण पूजन, वेदलक्षणा गौमाता पूजन, कन्या पूजन, श्री गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर सर्वपितृ तर्पण पूजन, सरकार से गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने पर्यावरण संरक्षण एवं विश्व शांति के लिए के साथ सामुहिक श्री गणेश पुष्पाभिषेक सामुहिक हनुमान चालीसा का पाठ दिव्य वेदलक्षणा गोमाता कृपा आरती के बाद गौधाम के नियमित एवं नये जुड़े गौसेवकों को दुपट्टा, दक्षिणा प्रदान कर अभिनंदन सम्मान किया गया।

इंजीनियर्स डे के अवसर पर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने मेटल एवं माइनिंग उद्योग में युवा इंजीनियर्स को किया रेखांकित

76% युवा प्रोफेशनल्स कोर इंजीनियरिंग क्षेत्र से, 57.8% अधिकारी इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि के

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। इंजीनियर्स डे के अवसर पर हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने मेटल एवं माइनिंग उद्योग में युवा इंजीनियर्स की बढ़ती भूमिका को रेखांकित किया। कंपनी के अनुसार उसके कुल अधिकारियों में 57.8 प्रतिशत इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से हैं, जबकि युवा प्रोफेशनल्स में 76 प्रतिशत कोर इंजीनियरिंग क्षेत्रों से जुड़े हैं। कंपनी का कहना है कि युवा इंजीनियर तकनीकी ज्ञान, डिजिटल कौशल, नवाचार और सतत विकास की सोच के साथ उद्योग को अधिक आधुनिक, स्मार्ट और सुरक्षित बनाने में योगदान दे रहे हैं।

हिंदुस्तान जिंक के कुल 2,685 अधिकारियों में से 1,551 इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि से हैं। वहीं वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने 335 कैंपस हायरिंग के जरिए नई तकनीकी प्रतिभाओं को अपने साथ जोड़ा है। कंपनी के करीब 10 प्रतिशत नेतृत्वकर्ता 35 वर्ष से कम आयु के हैं, जबकि कुल कर्मचारियों में 62 प्रतिशत से अधिक की उम्र 35 वर्ष से कम है।

कंपनी की अत्याधुनिक खनन एवं धातु इकाइयों में रिमोट ब्लास्टिंग, टेली-रिमोट मशीन संचालन, रियल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम, ऑटोमेशन और डिजिटल कंट्रोल रूम जैसी तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इन तकनीकों को प्रभावी बनाने और संचालन को अधिक सुरक्षित एवं कुशल बनाने में युवा इंजीनियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका बताई गई है। हिंदुस्तान जिंक के सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक अमरेंदु प्रकाश ने कहा कि आज का इंजीनियर ऐसे उद्योग में प्रवेश कर रहा है, जो तेजी से बदल रहा है। युवा इंजीनियर्स नई सोच और दृष्टिकोण के साथ जटिल चुनौतियों के समाधान खोज रहे हैं। कंपनी का उद्देश्य ऐसा वातावरण तैयार करना है, जहां उनकी तकनीकी क्षमता और महत्वाकांक्षा नवाचार में बदल सके तथा मेटल एवं माइनिंग उद्योग का भविष्य मजबूत हो। कंपनी के अनुसार उसके अधिकारियों में महिला अधिकारियों की हिस्सेदारी 20.5 प्रतिशत है, जो माइनिंग, मेटलर्जी, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और पर्यावरण इंजीनियरिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं। वहीं कंपनी का लैंगिक विविधता अनुपात 26.3 प्रतिशत बताया गया है। अधिकारियों के अलावा 423 से अधिक गैर-अधिकारी कर्मचारी भी कंपनी के इंजीनियरिंग इकोसिस्टम को मजबूत कर रहे हैं। ये कर्मचारी माइंस और स्मेल्टर्स में इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हैं और भारी मशीनरी व जटिल औद्योगिक उपकरणों के संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कंपनी ने बताया कि उसकी 'एम्प्लॉयी फर्स्ट' नीति के तहत कर्मचारियों को करियर विकास और समान अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

आस्था या अव्यवस्था?

मंदिरों में उमड़ती भीड़ से बढ़ती परेशानी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नविता
समाजविद्
@jagrukjanta.net

आस्था अच्छी बात है, लेकिन जब आस्था के नाम पर भीड़ बेकाबू हो जाए तो वह खतरा बन जाती है। ऐसा ही नजारा रविवार को जयपुर के प्रसिद्ध मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में देखने को मिला।

हर साल गणेश चतुर्थी से एक दिन पहले यहाँ सिंजारा उत्सव मनाया जाता है।मान्यता है कि भगवान को चढ़ी हुई मेहंदी हाथों पर लगाने से शादी जल्दी हो जाती है।इसी मान्यता के चलते इस बार सोशल मीडिया की बदौलत मंदिर में हजारों की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर प्रशासन के अनुसार इस बार सोजत से करीब 3500 किलो मेहंदी मंगवाई गई थी और इसे 8 अलग-अलग जगहों से बांटने की व्यवस्था की गई।5 निकासी द्वार भी बनाए गए थे मंदिर प्रशासन ने हर साल के अनुसार अच्छी व्यवस्था की गई। फिर भी व्यवस्था फेल हो गई।हालात ऐसे हो गए की,मेहंदी लेने के लिए लोग रविवार अल सुबह से ही लाइन में लग गए। जयपुर ही नहीं, दिल्ली, यूपी, हरियाणा, गुजरात और महाराष्ट्र तक से लोग पहुंच गए।

भीड़ इतनी बढ़ गई कि शाम 7 बजे से शुरू होने वाला वितरण शाम 5 बजे ही शुरू करना पड़ा और सिर्फ 3 घंटे में ही 3500 किलो मेहंदी खत्म हो गई और दर्शन की बात करे तो सिर्फ दर्शन करने आये दर्शनार्थी को भी दर्शन दुर्लभ हो गए और मंदिर के अंदर तक दर्शन करने आये लोग हड़बड़ी में या जल्दबाजी में मंदिर के प्रागण तक अपने जूते चप्पल ले गए। मंदिर के आस पास मेन रोड पर डेढ़ घंटे तक जाम लगा रहा और कई रास्ते बंद करने पड़े।

भगदड़ का डर बना रहा। पुलिस को देर रात तक भीड़ संभालनी पड़ी। देर रात तक लोग अपने या अपनो के विवाह के लिए गणेशजी की लगी मेंहदी लेने के लिए पहुंच रहे थे। सोशल मीडिया पर रील वायरल होने के बाद अब हर त्योहार पर मंदिरों में ऐसी ही भीड़ बढ़ती जा रही है। दर्शन कम, वीडियो और फोटो ज्यादा बनते हैं। अब हर त्यौहार एक कंटेंट बन के रह गए है। सवाल यह है कि क्या हमारे मंदिर इतनी बड़ी भीड़ के लिए तैयार हैं?क्या सिर्फ 5-8 गेट से हजारों लोगों को संभाला जा सकता है?

मंदिर में आस्था जरूरी है,लेकिन सुरक्षा उससे भी ज्यादा जरूरी है। प्रशासन को समय रहते भीड़ प्रबन्धन के पुख्ता इंतजाम करना बहुत आवश्यक है।हालांकि सरकार द्वारा मंदिर भीड़ प्रबंधन के कोर्सेज भी करवाएं जा रहे है। बड़े धार्मिक स्थलों और त्योहारों पर बढ़ती भीड़ को संभालने के लिए प्रोफेशनल 'टेंपल मैनेजमेंट' (Temple Management) कोर्सेज की शुरुआत की गई है,जिनमें भीड़ प्रबंधन एक मुख्य विषय होता है। आशा है आने वाले समय में इन व्यवस्थाओं में सुधार आए।

₹2,000 तक यूपीआई पेमेंट पर चार्ज नहीं

अटकलों के बीच सरकार का आदेश, बड़े पेमेंट पर दुकानदारों से फीस ली जा सकती है

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने यूपीआई पेमेंट को लेकर स्थिति साफ कर दी है। सरकार ने कहा कि ₹2,000 तक के यूपीआई पेमेंट पर बैंक या पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर डायरेक्ट या इनडायरेक्ट फीस नहीं लगा सकते। रुपे डेबिट कार्ड से होने वाले पेमेंट को भी इस दायरे में रखा गया है। दरअसल, संसद ने अगस्त में टैक्सेशन एंड अदर लॉज (अमेंडमेंट) एक्ट, 2026 पास किया था। इसके जरिए पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 की धारा 10ए में बदलाव किया गया। इस बदलाव से सरकार को यह तय करने का अधिकार मिला कि किन डिजिटल पेमेंट पर फीस नहीं लगेगी। इसके बाद से ही ₹2,000 से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर फीस लगने की अटकलें शुरू हो गईं। इस बीच वित्त मंत्रालय ने 14 सितंबर को नोटिफिकेशन जारी किया। इसमें ₹2,000 तक के यूपीआई पेमेंट पर किसी तरह के चार्ज ना लगाने की बात है।

सवाल-जवाब में समझें

सवालः क्या ₹2,000 यूपीआई पेमेंट की नई लिमिट है?
जवाबः नहीं। ₹2,000 कोई नई पेमेंट लिमिट नहीं है। यूपीआई से इससे ज्यादा रकम भेजी जा सकती है। यह सिर्फ उस रकम की सीमा है, जिस पर फिलहाल फीस नहीं लगाई जा सकती।
सवालः अगर मुझे ₹2,500, ₹5,000 या ₹10,000 का पेमेंट करना हो तो क्या फीस लगेगी?
जवाबः अभी ऐसी कोई फीस लागू नहीं हुई है। ₹2,000 से ज्यादा के पेमेंट पर फीस लगाने के लिए आगे सरकार को अलग से नियम और रेट तय करना होगा।
सवालः ₹2,000 से ज्यादा के पेमेंट को लेकर इतनी चर्चा क्यों है?
जवाबः इसकी बड़ी वजह बड़े कारोबारी पेमेंट हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में दुकानदारों को किए गए यूपीआई पेमेंट में सिर्फ करीब 4% ट्रांजैक्शन ₹2,000 से ज्यादा के थे, लेकिन कुल रकम में इनकी हिस्सेदारी करीब दो-तिहाई थी। यानी ऐसे पेमेंट की संख्या कम है, लेकिन इनमें काफी बड़ी रकम जाती है।

यूनिसेफ़ के इंडिया के उप प्रतिनिधि ने प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य से की मुलाकात

राजस्थान में मातृ, नवजात, शिशु एवं किशोर स्वास्थ्य सेवाएं होंगी मजबूत

यूनिसेफ़ और राज्य सरकार की साझेदारी से नवाचार एवं साक्ष्य आधारित समाधानों को बड़े स्तर पर लागू करने पर चर्चा,

बाल अधिकारों को प्री-सर्विस मेडिकल एजुकेशन से जोड़ने के प्रस्ताव का प्रमुख शासन सचिव ने किया स्वागत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार प्रदेश में मातृ, नवजात, शिशु एवं किशोर स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी, गुणवत्तापूर्ण एवं समान रूप से सुलभ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में मंगलवार को यूनिसेफ़ इंडिया के उप प्रतिनिधि श्री जेस्पर मोलर ने मंगलवार को शासन सचिवालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ से मुलाकात कर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति एवं आगामी प्राथमिकताओं पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में मातृ, नवजात, शिशु एवं किशोर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ-साथ विशेष रूप से संवेदनशील एवं वंचित वर्गों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। दोनों पक्षों ने स्वास्थ्य क्षेत्र में राजस्थान सरकार एवं यूनिसेफ़ के बीच जारी साझेदारी को और मजबूत करते हुए नई स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान, नवाचार तथा बेहतर स्वास्थ्य परिणामों की दिशा में मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

जेस्पर मोलर ने स्वास्थ्य सेवाओं में मौजूद इक्विटी गैप्स पर चर्चा करते हुए कहा कि सरकार के पास व्यापक स्तर पर सेवाओं को पहुंचाने की क्षमता है,जबकि यूनिसेफ़ नवाचार, साक्ष्य आधारित समाधान एवं प्रभावी मॉडल उपलब्ध कराने में सहयोग कर सकता है। बैठक में इन समाधानों को बड़े स्तर पर लागू करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और प्रभावी बनाने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में लाइफ-साइकिल अप्रोच को और मजबूत करने तथा विभिन्न विभागों के बीच बेहतर कन्वर्जेंस और समन्वय की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। इसका उद्देश्य बच्चों एवं किशोरों से लेकर माताओं एवं नवजातों तक स्वास्थ्य सेवाओं को एक समग्र दृष्टिकोण के साथ मजबूत करना है। यूनिसेफ़ के उप प्रतिनिधि ने प्री-सर्विस मेडिकल एजुकेशन में बाल अधिकारों के दृष्टिकोण को शामिल करने का प्रस्ताव रखा। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने इस प्रस्ताव का स्वागत किया और यूनिसेफ़ से इस संबंध में विस्तृत कॉन्सेप्ट नोट उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, ताकि प्रस्ताव को आगे बढ़ाने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

मोलर ने प्रमुख शासन सचिव को राजस्थान दौरे के दौरान किशनगढ़ स्थित स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट के अपने दौरे के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने यहां चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा कमजोर एवं गंभीर नवजातों की जीवन रक्षा के लिए किए जा रहे समर्पित प्रयासों को देखा और फ्रंटलाइन स्वास्थ्यकर्मियों की प्रतिबद्धता एवं सेवाभाव की सराहना की।

बैठक में यूनिसेफ़ के आगामी कंट्री प्रोग्राम 2028-2032 को लेकर प्रारंभिक चर्चाओं और राजस्थान की प्राथमिकताओं पर भी विचार-विमर्श हुआ। नई एवं उभरती स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने के साथ वर्तमान उपलब्धियों को बनाए रखने तथा जिन क्षेत्रों में अभी गैप हैं, उन्हें भरने के लिए यूनिसेफ़ के निरंतर सहयोग के महत्व पर जोर दिया गया। बैठक के अंत में राजस्थान सरकार एवं यूनिसेफ़ ने नवजात एवं बाल स्वास्थ्य प्रणालियों को और सुदृढ़ करने तथा प्रदेश के प्रत्येक बच्चे के लिए बेहतर स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित करने की दिशा में सहयोग को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि राज्य सरकार का निरंतर प्रयास है कि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक समान रूप से पहुंचे और विशेष रूप से माताओं, नवजातों, बच्चों एवं किशोरों जैसे संवेदनशील वर्गों को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों।

नशा मुक्त भारत अभियान कल, राज्यपाल करेंगे अध्यक्षता

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोबनेर। श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत 17 सितंबर को प्रातः 11 बजे विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं राजस्थान के राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस भी मनाया जाएगा।

अभियान का मुख्य उद्देश्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति व्यापक जन-जागरूकता उत्पन्न करना, युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना तथा स्वस्थ, सकारात्मक एवं जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने का संदेश देना है। नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य एवं भविष्य को प्रभावित करने के साथ-साथ परिवार की खुशहाली और समाज की सामाजिक एवं आर्थिक प्रगति पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। ऐसे में युवाओं की ऊर्जा एवं प्रतिभा को शिक्षा, कौशल विकास, खेल, कृषि एवं अन्य रचनात्मक गतिविधियों की ओर उन्मुख कर नशा मुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।

कार्यक्रम को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर डॉ. पुष्पेंद्र सिंह चौहान तैयारियों की समीक्षा कर संबंधित समितियों एवं अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दे रहे हैं। निदेशक छात्र कल्याण डॉ. एन.के. गुप्ता कार्यक्रम के समन्वय का कार्य कर रहे हैं।

कार्यक्रम में लगभग 700 प्रतिभागी भाग लेंगे, जिनमें प्रगतिशील किसान एवं विद्यार्थी प्रमुख रूप से शामिल होंगे। इस दौरान नशा मुक्ति एवं स्वस्थ जीवनशैली को लेकर जागरूकता का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान पौधारोपण भी किया जाएगा, जिसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं स्वस्थ समाज का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में कुलसचिव नवीन यादव, वित्त नियंत्रक रामस्वरूप मीणा, विभिन्न समितियों के संयोजक सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी एवं स्टाफ उपस्थित रहे। बैठक में कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, प्रतिभागियों की सहभागिता तथा विभिन्न समितियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई।

पंचायतीराज संस्थाओं की 17 एवं 18 को होने वाली श्रेणीवार आरक्षण निर्धारण आवंटन बैठक आगामी आदेश तक स्थगित

जयपुर @ जागरूक जनता। पंचायती राज संस्थाओं के श्रेणीवार आरक्षण निर्धारण एवं आवंटन की बैठक 17 सितंबर को दोपहर 12:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार (जिला परिषद् सदस्य, प्रधान एवं पंचायत समिति सदस्यों के लिए) एवं 18 सितंबर को संबंधित उपखण्ड मुख्यालय (सरपंच एवं पंच के लिए) पर निर्धारित की गई थी। जिला कलक्टर (पंचायत) जयपुर संदेश नायक ने बताया कि नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 कार्यक्रम जारी रहने के कारण उक्त पंचायती राज संस्थाओं के लिए जिला मुख्यालय एवं उपखंड कार्यालय स्तर पर किया जाने वाला लॉटरी व आरक्षण कार्यक्रम आगामी आदेश तक स्थगित किया जाता है।

उपमुख्यमंत्री ने भाजपा की कराई सदस्यता ग्रहण

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर नाड़ी का फाटक श्री श्याम मनुहार सेवा समिति के अध्यक्ष नारायण सिंह बाहली ने भाजपा की सदस्यता ग्रहन कि। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने नारायण सिंह और उनकी पूरी टिम को भाजपा का केसरिया दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। वार्ड 4 चुनाव प्रभारी करण सिंह बड़गुर्जर ने बताया कि भाजपा में आने के बाद पूरी टीम ने वार्ड 4 की भाजपा प्रत्याशी पिंकी विजय शर्मा की ऐतिहासिक जीत दर्ज करवाई। सभी ने एक ऐतिहासिक जीत की खुशियां ढोल और मिठाई के साथ मनाई।

गणेश चतुर्थी पूजन के साथ गुलाबी एक्सचेंज प्रोग्राम का शुभारंभ

भारत-जापान सांस्कृतिक संवाद को मिली नई उड़ान, ओरिएंटेशन प्रोग्राम में जापानी विद्यार्थियों का स्वागत; जयपुर दर्शन से शुरू होगी संस्कृति, शिक्षा और परंपराओं को जानने की यात्रा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेजस में गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर सामूहिक गणेश पूजन के साथ "ग्लोबल यूनिटी थ्रू लर्निंग आर्ट, लैंग्वेज एंड कल्चर थ्रू बियानी एक्सचेंज प्रोग्राम" की औपचारिक शुरूआत हुई । इस अवसर पर जापान से आए प्रतिनिधियों एवं बियानी के स्टाफ सदस्यों ने एक साथ गणेश पूजन कर कार्यक्रम की मंगल शुरुआत की।

गुलाबी कार्यक्रम का उद्देश्य भारत और जापान के विद्यार्थियों के बीच संस्कृति, परंपराओं, शिक्षा और जीवनशैली को समझने तथा आपसी संवाद एवं अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूत करना है। कार्यक्रम की शुरुआत ओरिएंटेशन एवं उद्घाटन सत्र से हुई, जिसमें जापानी विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने अपना परिचय देते हुए अपनी रुचियों और पसंद के बारे में बताया तथा भारत आने के अपने अनुभव साझा किए।

कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. संजय बियानी ने जापानी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह एक्सचेंज प्रोग्राम उन्हें भारतीय संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों को करीब से समझने का अवसर देगा। उन्होंने इस पहल के लिए पूरी टीम की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को अधिक से अधिक संवाद और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि "बियानी में विद्यार्थियों को घर जैसा माहौल, हरसंभव सहयोग और भारतीय संस्कृति को करीब से समझने का अवसर मिलेगा।"

रिसर्च एंड डेवलपमेंट डायरेक्टर डॉ. मनीष बियानी ने कहा कि गुलाबी एक्सचेंज प्रोग्राम भारत-जापान के युवाओं को संस्कृति, शिक्षा, तकनीक और रोजगार के अवसरों से जोड़ने की महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि जापान में बढ़ती उम्रदराज आबादी और श्रमबल की कमी तथा भारत में उपलब्ध युवा मानव संसाधन को देखते हुए कौशल विकास, रोजगार और तकनीकी सहयोग दोनों देशों के लिए नए अवसर पैदा कर सकता है। असिस्टेंट डायरेक्टर सीए अभिषेक बियानी एवं सीए साक्षी बियानी ने कहा कि राजस्थान अपनी समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, कला और विरासत के लिए विश्वभर में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि गुलाबी के दौरान जापानी विद्यार्थियों के लिए राजस्थान का अनुभव गुलाबी रंग की तरह खूबसूरत, जीवंत, संस्कृतिपूर्ण और ज्ञानवर्धक रहेगा।

असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. राधिका बियानी डागा ने बताया कि गुलाबी एक्सचेंज प्रोग्राम में जापानी विद्यार्थियों को जयपुर दर्शन, होमस्टे, हिंदी, योग-मेडिटेशन, राजस्थानी लोकनृत्य एवं भारतीय विद्यार्थियों के साथ संवाद के माध्यम से भारतीय संस्कृति से जोड़ा जाएगा तथा बियानी टीवी, रेडियो? सेल्फी और बियानी टाइम्स से मीडिया की जानकारी दी जाएगी। प्लेसमेंट हेड डॉ. स्मृति तिवाड़ी ने बताया कि कार्यक्रम में रीको व औद्योगिक भ्रमण, पुष्कर-किशनगढ़ यात्रा, मार्बल इंडस्ट्री अनुभव, जापान में उच्च शिक्षा-करियर सेमिनार और BICON-2026 में सहभागिता भी होगी।

आसोतरा विद्यालय में बालिकाओं को साइबर सुरक्षा एवं महिला अधिकारों की दी जानकारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। महिला अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक अंकिता राजपुरोहित के निर्देशानुसार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आसोतरा में बालिकाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र की प्रबंधक अनिता ने विभाग द्वारा संचालित महिला सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र, पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र एवं वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं एवं उद्देश्यों की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में बालिकाओं का तकनीकी रूप से सशक्त होने के साथ-साथ साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक होना भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी लिंक, ओटीपी साझा करने के जोखिम, साइबर बुलिंग तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की।

मनोसामाजिक परामर्शदाता सोनम सोनी ने छात्राओं को साइबर सुरक्षा के व्यावहारिक उपाय बताए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की ऑनलाइन धोखाधड़ी, बाल सुरक्षा से संबंधित समस्या अथवा आपात स्थिति में साइबर हेल्पलाइन 1930, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, आपातकालीन सेवा 112 तथा पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान केंद्र हेल्पलाइन 9001943792 पर तत्काल संपर्क किया जा सकता है। कार्यक्रम में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बालिकाओं को शिक्षा, सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया गया।

सामाजिक परामर्शदाता चौनी चौधरी ने डिजिटल साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास, सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार तथा साइबर बुलिंग से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वहीं विधिक परामर्शदाता कंचन भाटी ने साइबर अपराधों से संबंधित कानूनी प्रावधानों एवं शिकायत प्रक्रिया की जानकारी देते हुए छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाने तथा स्वयं के साथ-साथ अन्य लोगों को भी साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय के अतिरिक्त प्रधानाचार्य रामपाल, शंकर, प्रिया सिसोदिया, कोमल, सुशीला, राधिका, सुलोचना सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

उत्तरी सीमा पर चीन के सैनिकों की तैनाती में कमी, पाकिस्तान अब भी बड़ी सुरक्षा चुनौती : रिपोर्ट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। चीन ने पिछले वर्ष भारत की उत्तरी सीमा से लगे इलाकों में सैनिकों की संख्या में कमी की है जबकि भारतीय सेना की वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के सभी सेक्टरों में अभी भी मजबूत तैनाती है वहीं, पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद, घुसपैठ और संघर्ष विराम उल्लंघन के जरिए बड़ी सुरक्षा चुनौती बना रहा। रक्षा मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट 2025-26 में यह बात कही गयी है। रिपोर्ट के मुताबिक उत्तरी सीमा से लगते क्षेत्रों में चीन की सेना (पीएलए) की तैनाती में काफी कमी आयी है। एलएसी और पारंपरिक प्रशिक्षण क्षेत्रों में करीब 10 कंबाइंड आर्म्स ब्रिगेड के बराबर चीनी सैनिक तैनात हैं। चीनी सैनिकों की संख्या घटने के बावजूद भारतीय सेना किसी भी चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले वर्ष के दौरान चीन के साथ लगातार राजनीतिक, कूटनीतिक और सैन्य बातचीत से उत्तरी सीमा पर सकारात्मक बदलाव आये और स्थिरता की स्थिति बनी। 'वर्किंग मैकेनिज्म फॉर कंसल्टेशन एंड कोऑर्डिनेशन' की 33वीं और 34वीं बैठक पिछले वर्ष मार्च और जुलाई में हुई। सीमा विवाद पर विशेष प्रतिनिधियों के बीच बातचीत भी फिर शुरू हुई और दिसंबर 2024 तथा अगस्त 2025 में ये बैठकें हुईं। तनाव में कमी का असर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछले वर्ष अगस्त में तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के लिए चीन यात्रा और 25-26 अक्टूबर को पूर्वी लद्दाख में हुई 23वीं कोर कमांडर स्तर की बैठक में भी दिखा। रिपोर्ट के अनुसार, पीएलए के साथ सैन्यकर्मियों की बैठकें भी सौहार्दपूर्ण और मैत्रीपूर्ण माहौल में हो रही हैं।

आदित्य सीमेंट स्टाफ कॉलोनी में लाखों की चोरी

सोने-चांदी के आभूषण व 50 हजार नकद ले गए चोर

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़/शंभूपुरा। आदित्य सीमेंट वर्क्स की स्टाफ कॉलोनी आदित्यपुरम में चोरों ने एक क्वार्टर का ताला तोड़कर लाखों रुपए कीमत के सोने-चांदी के आभूषण, 50 हजार रुपए नकद व अन्य सामान चोरी कर लिया। परिवार के वापस पहुंचने पर वारदात का पता चला। घटना को लेकर शंभूपुरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हाउस नंबर ई-33/2 निवासी सैयद सीमी अली पत्नी सैयद राहिल अली ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि वह शनिवार शाम करीब 7:30 बजे क्वार्टर पर ताला लगाकर परिवार के साथ चित्तौड़गढ़ स्थित आवास पर गई थीं। सोमवार सुबह करीब 6 बजे वह चित्तौड़गढ़ से सीधे आदित्यपुरम अस्पताल ड्यूटी पर पहुंचीं। दोपहर करीब 1:20 बजे सिक्योरिटी गार्ड ने फोन कर क्वार्टर का ताला टूटे होने की सूचना दी।

सूचना पर जब वह क्वार्टर पहुंचीं तो बाहर सिक्योरिटी कर्मचारी मौजूद थे। घर के अंदर अलमारी टूटी हुई थी और सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर सोने की बड़ी चेन, पेंडल वाली चेन, मंगलसूत्र जैसी चेन, लॉकेट, तीन अंगूठियां, बच्चों के सोने के ब्रेसलेट, कानों के इयररिंग, सोने की चूड़ियां, नेकलेस, कानों की लॉन्ग सहित कई आभूषण गायब मिले। इसके अलावा चांदी की पायल, ब्रेसलेट, बच्चों के चांदी के कड़े सहित अन्य चांदी के आभूषण और 50 हजार रुपए नकद भी चोरी होने की जानकारी सामने आई। चोर बच्चों के खिलौने व कपड़े भी ले गए।

बताया जा रहा है कि चोरों ने वारदात से पहले दो अन्य क्वार्टरों में भी घुसने का प्रयास किया। एक क्वार्टर खाली होने तथा दूसरे में किसी व्यक्ति की आवाज आने पर वहां से चोर लौट गए। इसके बाद तीसरे क्वार्टर में ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया और स्कूल की दीवार फांदकर फरार हो गए।

सूचना मिलने पर शंभूपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस कॉलोनी में लगे सुरक्षा इंतजामों और आसपास के संभावित सीसीटीवी फुटेज की जांच कर चोरों का सुराग तलाश रही है। हाई सिक्योरिटी वाली स्टाफ कॉलोनी में चोरी की वारदात ने सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।